

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट, ओटी इतिहास, साहित्य, और धर्मशास्त्र, व्याख्यान #3 ईश्वर से हम तक बाइबिल का प्रसारण

© 2020 डॉ. टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पर टेड हिल्डेब्रांट का व्याख्यान संख्या 3 है। यह व्याख्यान ईश्वर से हम तक बाइबिल के प्रसारण पर था।

एक। प्रश्नोत्तरी पूर्वावलोकन [0:0-2:43]

हम अगले सप्ताह के लिए क्या काम कर रहे हैं? उत्पत्ति 26 से 50। आप उत्पत्ति की पुस्तक अगले सप्ताह समाप्त कर देंगे। तो इससे उसका ख्याल रखा जाएगा और फिर मूल रूप से कुछ अन्य चीजें भी हैं। "कॉस्मिक मैप्स" पर सेलहैमर नाम के एक व्यक्ति का एक लेख होगा। तो आपको आर्टिकल कहां से मिलेगा? क्या कभी किसी ने इसे सुना? क्या यह मददगार था या नहीं? ठीक है, तो आप उत्पत्ति 26 से 50 और सेलहैमर लेख पढ़ रहे होंगे। इसके अलावा इस सप्ताह हम *अपने पिता इब्राहीम* पर भी चर्चा करने जा रहे हैं और वहां कुछ चुनिंदा पृष्ठ हैं। हम पूरी किताब नहीं पढ़ेंगे, लेकिन *हमारे पिता अब्राहम के लिए चुनिंदा पत्रे हैं*। तो आप *हमारे पिता इब्राहीम* के साथ काम करेंगे और फिर दो स्मृति छंद। हमने क्या पूरा नहीं किया है? बाइबिल-रॉबिक्स। हम आज जेनेसिस बाइबिल-रॉबिक्स समाप्त कर देंगे। तो मूल रूप से वहाँ उत्पत्ति पाठ, *हमारे पिता अब्राहम*, सेलहैमर लेख, स्मृति छंद और बाइबिल-रॉबिक्स हैं। इसे अगले सप्ताह तक करना चाहिए।

इसमें दस प्रश्न होंगे, प्रत्येक के लिए दस अंक होंगे, और मोटे तौर पर क्या होगा यदि कोई इसे भूल जाता है, मुझे लगता है कि कोई सॉकर गेम या ऐसा कुछ था, उन्हें इसे पूरा करने के लिए एक सप्ताह का समय मिलता है, इसलिए मैं नहीं कर सकता वे अगले गुरुवार तक वापस आ जायेंगे। मैं उन्हें गुरुवार की रात या शुक्रवार की सुबह वापस लौटाने की कोशिश करता हूँ, ताकि आप उन्हें संभवतः अगले शुक्रवार को वापस कर सकें। तो फिर हम हर गुरुवार को क्विज़, क्विज़, क्विज़ करेंगे और लगभग हर पाँच क्विज़ के बाद हम एक

परीक्षा करेंगे। (*कोई प्रश्न पूछता है*) नहीं, वह परीक्षा के लिए है; ऑनर्स विकल्प में शामिल होने के लिए आपको परीक्षा में और क्विज़ में भी एक निश्चित बिंदु से ऊपर अंक प्राप्त करना होगा।

तो यह अगले सप्ताह के लिए आने वाला असाइनमेंट है। दूसरी बात यह है कि पाठ्यक्रम सामग्री के लिए अपने दस रुपये जमा करना न भूलें, उसे जाने न दें अन्यथा यह अगले सप्ताह दोगुना हो जाएगा, मुझे लगता है कि यह अगले गुरुवार या कुछ और है इसलिए इसे यथाशीघ्र प्राप्त करें।

बी बाइबिल: भगवान से हमारे लिए [2:44-3:58]

आज का दिन इस पाठ्यक्रम में मेरे द्वारा दिये गये सबसे कठिन व्याख्यानों में से एक है। मैं इसे नए छात्रों के स्तर पर क्यों पेश करूँ? मैं आप लोगों के साथ ईमानदार होना चाहता हूँ और मैं चाहता हूँ कि आप समझें कि बाइबिल मूसा से कैसे आई, और बाइबिल यशायाह से कैसे आई, और हम तक कैसे पहुंची। तो इन बातों को अनकहा छोड़ने के बजाय, तब क्या होता है कि आप विश्वविद्यालय के संदर्भ में कूद पड़ते हैं और विश्वविद्यालय के प्रोफेसर का दावा है कि बाइबिल त्रुटियों से भरी है और आपको पता नहीं है कि वह किस बारे में बात कर रहा है। मैं आपको ये व्यापक श्रेणियां देना चाहता हूँ। आज मैं जिस सामग्री के बारे में बात कर रहा हूँ, सच कहें तो उसमें संतीकरण पर संपूर्ण पाठ्यक्रम हैं। संपूर्ण पाठ्यक्रम हैं, मैंने पाठ्य आलोचना पर संपूर्ण पाठ्यक्रम लिया है और इसलिए मैं आपको लगभग 30 मिनट में बता रहा हूँ कि पूरे पाठ्यक्रम में कितना समय लगा। मैं चीजों को सरल बनाने की कोशिश करता हूँ लेकिन इन चीजों को आपके सामने व्यक्त करने में मुझे कठिनाई होती है। मैं वास्तव में आपको उनके बारे में बताने के लिए प्रतिबद्ध हूँ ताकि आप समय से पहले जान सकें कि क्या हो रहा है। आज का दिन वास्तव में काफ़ी तथ्यात्मक रहेगा। कुछ व्याख्यान, जब हम उत्पत्ति में आते हैं तो इसमें से बहुत कुछ मेरी राय होगी और मैं इस संदर्भ में ग्रंथों की व्याख्या कैसे करता हूँ। आज हम जिस बारे में बात कर रहे हैं वह वास्तव में मेरी राय नहीं है, ये पांडुलिपियों के तथ्य हैं और हम उसके साथ काम करने की कोशिश करेंगे।

सी. संतीकरण [3:59-5:53]

इसलिए, संत घोषित करना - पिछली बार हमने इस बारे में बात की थी और मूल रूप से हमने कहा था कि उदाहरण के लिए, पीटर और पॉल के मामले में, पीटर ने कहा था कि पॉल के लेखन पवित्रशास्त्र के समान स्तर पर थे। उन्होंने कहा, "वे अन्य धर्मग्रंथों की तरह ही पॉल के पत्रों को भी विकृत करते हैं।" इसलिए पॉल के पत्रों को पीटर ने स्वचालित रूप से आधिकारिक के रूप में स्वीकार कर लिया और पॉल ने स्वीकार किया कि पीटर ने उन पत्रों को आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया। अब, जैसे, क्या चर्च को पॉल के सभी पत्र एकत्र करने में काफी समय लगा? पॉल ने कुलुस्से के चर्च को पत्र लिखे। उस चर्च ने पत्र रख लिया और अन्य लोगों को पता भी नहीं चला कि पॉल ने वह पत्र लिखा था। दूसरे शब्दों में, क्या यीशु के पास कोई नया नियम था? नहीं, क्या किसी प्रेरित ने कभी पूरा नया नियम देखा? नहीं, उन्होंने पहली किताबें लिखीं और फिर इसे बाहर रखा गया और इसे प्रसारित करना होगा। क्या आपको उस सर्कुलेशन का एहसास है - आप कहते हैं, "उन्होंने इसकी एक प्रति सभी को ईमेल क्यों नहीं की, उन्हें यही करना चाहिए था।" वास्तव में इसे फैलाने और एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में काफी समय लगा।

इसलिए पीटर ने पॉल की किताबें स्वीकार कर लीं। क्या पीटर को पॉल के सभी लेखन के बारे में पता था? ऐसा कोई रास्ता नहीं है जो उसने किया हो। इसलिए पॉल ने विभिन्न चीजें लिखीं, पीटर उनमें से कुछ के बारे में जानता था लेकिन निस्संदेह वह उन सभी के बारे में नहीं जानता था।

तो यहाँ डैनियल के साथ एक और उदाहरण है। डैनियल उसी समय रहता था जब यिर्मयाह रहता था। डैनियल बेबीलोन में नबूकदनेस्सर के साथ था, डैनियल शेर की मांद में था और वह सब। डैनियल कहता है, "अरे, यिर्मयाह ने कहा कि भगवान ने उससे कहा, हम 70 साल तक बेबीलोन में रहेंगे (दानि0 9:2, 24)।" तो डैनियल ने यिर्मयाह को उद्धृत करते हुए कहा कि यह वही है जो भगवान ने यिर्मयाह को बताया था और वह यिर्मयाह के अधिकार को तुरंत स्वीकार कर लेता है। डैनियल इसे तुरंत स्वीकार कर लेते हैं और कहते

हैं कि हम यहां 70 साल तक रहेंगे। अब फिर, क्या यहूदी पुस्तकों को भी एकत्र करना और फैलाना और ऐसी ही चीजें करनी पड़ीं? तो इससे समय निकल जाता है।

डी. कैनोनाइजेशन के लिए मानदंड: क्या यह ईश्वर की ओर से होने का दावा करता है? [5:54-7:30]

अब कुछ पुस्तकें स्वीकार की जाती हैं और कुछ पुस्तकें स्वीकार नहीं की जातीं। आपने कैसे बताया कि कौन सी किताब पवित्र संग्रह में आई और कौन सी खारिज कर दी गई? इसके लिए कुछ सिद्धांत हैं और इसलिए यह मानदंड की ओर बढ़ता है। पहला मुख्य मानदंड जो विमुद्रीकरण प्रक्रिया के लिए उपयोग किया गया था - विमुद्रीकरण प्रक्रिया का अर्थ है: किसी पुस्तक को कैनन, पवित्र ग्रंथों में स्वीकार करने के लिए क्या करना पड़ता है। नंबर एक प्रश्न, और यह बड़ा प्रश्न है: "क्या पुस्तक ईश्वर से प्रेरित है?" दूसरे शब्दों में, "क्या किताब ईश्वर की ओर से बात करने का दावा करती है?" तो, उदाहरण के लिए, क्या यह कहता है, "यहोवा यों कहता है"? क्या यशायाह की किताब ईश्वर की ओर से बोलने का दावा करती है? हाँ। क्या मूसा कहता है, "परमेश्वर ने मुझसे कहा और मैंने इसे लिख लिया"? मूसा ऐसा कहते हैं। किताबें दावा करती हैं कि भगवान ने बात की और लेखक ने इसे लिखा। यिर्मयाह, "इस प्रकार, प्रभु कहते हैं/यहोवा ने मुझसे यह कहा।" ईजेकील को हड्डियों के , इन सूखी हड्डियों के एक साथ आने के सभी दर्शन मिले हैं । ईजेकील ने हड्डियाँ देखीं और उसने दावा किया कि भगवान ने उसे यह दर्शन दिखाया था।

अब, वैसे, इस मानदंड के बारे में सोचें। क्या यह मानदंड यह स्थापित करने के लिए पर्याप्त है कि कौन सी किताबें आधिकारिक हैं और कौन सी नहीं? क्या ईश्वर की ओर से बोलने का दावा करने वाली कुछ पुस्तकें संभवतः शामिल नहीं थीं? क्या कुछ भविष्यवक्ताओं ने कहा, "यहोवा यों कहता है," और क्या वे परमेश्वर के सच्चे भविष्यवक्ता नहीं थे? हाँ। क्या बहुत सारे झूठे भविष्यवक्ता थे? हाँ। तो क्या यह मानदंड स्वयं प्रामाणिकता स्थापित करता है या हमें अन्य चीजों की आवश्यकता है?

ई. कैनोनाइजेशन मानदंड: क्या यह ईश्वर के पैगंबर द्वारा लिखा गया था? [7:31-8:28]

अन्य कारकों में से एक जिसे आप तौल सकते हैं वह है: क्या यह किसी भविष्यवक्ता

द्वारा लिखा गया था? यदि यह यशायाह जैसे किसी व्यक्ति द्वारा लिखा गया है, तो क्या आप कहते हैं, "यशायाह एक बहुत अच्छा आदमी है, ईश्वर का भविष्यवक्ता, एक बहुत अच्छा आदमी है।" अब मान लीजिए कि यह एक भविष्यवक्ता द्वारा लिखा गया था और मैं कहता हूँ कि मैंने इसे लिखा है। मैं कहता हूँ, "मैं अहाब और इज़ेबेल का भविष्यवक्ता हूँ और मैंने यह पुस्तक लिखी है।" क्या आप इसे अपने कैनन में स्वीकार करेंगे? नहीं, वैसे, क्या इसे पढ़ना संभवतः बहुत दिलचस्प होगा? इसे पढ़ना शायद बहुत दिलचस्प होगा, लेकिन आप इसे कैनन में स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि यह शायद एक ऐसे व्यक्ति की ओर से था जो बाल पैगंबर था। वहाँ 400 बाल भविष्यवक्ता थे। तो, दूसरे शब्दों में, आपको पूछना होगा: उस व्यक्ति के चरित्र के बारे में क्या जिसने इसे लिखा है? भजन में यशायाह, यिर्मयाह, मूसा, शमूएल, डेविड। तो आप पूछते हैं, क्या यह ईश्वर के पैगम्बर द्वारा लिखा गया था? क्या यह ईश्वर के किसी पुरुष या ईश्वर की महिला द्वारा लिखा गया था? तो, क्या यह किसी भविष्यवक्ता द्वारा लिखा गया था? आप उस व्यक्ति के बारे में क्या जानते हैं? यह इस पर नियंत्रण और संतुलन है।

एफ. कैनोनाइजेशन मानदंड: क्या यह पिछले रहस्योद्घाटन से सहमत है? [8:29-9:04]

क्या यह पिछले रहस्योद्घाटन से सहमत है? यदि आप एक किताब लिखवाते हैं और किताब के बीच में लिखा है, "आप जानते हैं, यहोवा ठीक है, लेकिन बाल बेहतर है।" क्या इसे कैनन में डाल दिया जाएगा या बाहर फेंक दिया जाएगा? बाहर फेंको। क्यों? क्योंकि यह पिछले रहस्योद्घाटन से असहमत है, क्योंकि भगवान ने कहा, "तुम्हें अपने परमेश्वर यहोवा की आराधना करनी चाहिए और केवल उसी की सेवा करनी चाहिए।" तो अगर यह किताब आती है और कहती है कि बाल ही बाल है, तो आपको पूछना होगा: क्या यह पिछले रहस्योद्घाटन का खंडन करता है? यह इस बात के लिए एक मानदंड बन जाता है कि क्या कोई पुस्तक विहित है और पवित्र ग्रंथ के रूप में स्वीकार की जाती है।

जी. कैनोनाइजेशन मानदंड: क्या यह ईश्वर की शक्ति के साथ आता है? [9:05-9:59]

यहाँ एक और है: क्या यह ईश्वर की शक्ति से आता है? अब यह व्यक्तिपरक है. क्या कुछ पुस्तकें ईश्वर की शक्ति से आती हैं? जब आप धर्मग्रंथ पढ़ते हैं, तो क्या इससे आपका जीवन बदल जाता है? हाँ। किताबें शक्तिशाली हैं. अब जब आप अपनी गणित की किताब पढ़ें, तो सवाल करें: क्या उसमें आपको बदलने की शक्ति है? आपमें से ज्यादातर लोग जाते हैं, मैं गणित की किताब पढ़ता हूँ। आप कहते हैं, सबसे पहले गणित की किताब पढ़ना लगभग एक विरोधाभास जैसा है। वैसे भी, आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? लेकिन वह तुम्हारे प्राणों में नहीं उतरता। आपने पढ़ा, यहां आने से ठीक पहले मैं एली विज़ेल की किताब *द नाइट का संदर्भ दे रहा था*। क्या किसी ने एली विज़ेल की किताब *द नाइट पढ़ी* है? जब आप वह पुस्तक पढ़ते हैं, तो क्या वह आपकी आत्मा में प्रवेश कर जाती है? अब मैं आपसे पूछता हूँ, क्या पवित्रशास्त्र की पुस्तकें आपको प्रेरित करती हैं? क्या वहां ईश्वर की शक्ति है? और उत्तर है: हाँ, लेकिन यह एक व्यक्तिपरक चीज़ है।

एच. कैनोनाइजेशन मानदंड: क्या इसे भगवान के लोगों द्वारा स्वीकार किया गया था? [10:00-10:50]

यहाँ एक और मानदंड है: क्या यह परमेश्वर के लोगों द्वारा प्राप्त किया गया है? दूसरे शब्दों में, क्या परमेश्वर के लोगों को परमेश्वर का वचन प्राप्त हुआ? पुराने नियम में, परमेश्वर के लोग कौन थे? यहूदी। तो पुराने नियम के यहूदियों, इस्राएल राष्ट्र, 12 जनजातियों, क्या उन्होंने इन पुस्तकों को सिद्धांत के रूप में, ईश्वर के हाथ से आने वाली, या ईश्वर के मुख से आने वाली के रूप में प्राप्त किया था? इसलिए, हम ईसाई होने के नाते, हमें अपना पुराना नियम कहाँ से मिलता है? क्या हम इसे यीशु और प्रेरितों से प्राप्त करते हैं? नहीं, पुराने नियम का सिद्धांत पुराने नियम के परमेश्वर के लोगों से हमारे पास आता है जो कि यहूदी राष्ट्र है। वे हमें पुराने नियम का सिद्धांत देते हैं। तो पुराने नियम का सिद्धांत पुराने नियम में परमेश्वर के लोगों से आता है। क्या उन्होंने यह तय किया कि कौन सी किताबें कैनन में होनी चाहिए और कौन सी किताबें नहीं होनी चाहिए? उन्होंने उस सामान को सुलझाया और वे ही उस पर विशेषज्ञ थे।

I. एंटीलेगोमेना: [नीतिवचन, एस्तेर...] के विरुद्ध बोली जाने वाली पुस्तकें [10:51-11:52]

इन पुस्तकों को एंटीलेगोमेना कहा जाता है। अब "विरोधी" क्या है? "विरोधी" का मतलब क्या है? खिलाफ़। *विरोधी ही* विरोधी है। *लेगो* (क्या यहां मेरा कोई ग्रीक छात्र है?) *लेगो* का अर्थ है "बोलना।" तो ये हैं: वे पुस्तकें जिनके खिलाफ़ बातें की गई हैं। एंटीलेगोमेना वे पुस्तकें हैं जिनके विरुद्ध बातें की जाती हैं। इनमें से पाँच पुस्तकें हैं। इन पाँच पुस्तकों के खिलाफ़ यहूदी लोगों ने बात की थी। यहूदी लोगों के पास इनके बारे में प्रश्न थे और इसलिए उन्हें "[एंटी-लेगोमेना] के विरुद्ध बोला गया।" अब इन पाँच किताबों में क्या समस्या है? वैसे, क्या आज यहूदी इन पाँच पुस्तकों को स्वीकार करते हैं? हाँ वे करते हैं। वे उन्हें स्वीकार करते हैं लेकिन एक समय पर उनसे पूछताछ की गई थी। क्या यह जानना उपयोगी है कि यहूदियों ने इन पुस्तकों पर प्रश्न उठाया था? क्या यहूदी इस बात को लेकर सावधान थे कि उन्होंने किन पुस्तकों को कैनन में स्वीकार किया? यह सिर्फ "बूम" नहीं था, स्वचालित रूप से आप इसमें शामिल हो गए। उन्होंने किताबों पर सवाल उठाए और सावधान रहे।

जे. एंटीलेगोमेना: नीतिवचन पर सवाल क्यों उठाए गए? [11:53-19:42]

यहाँ बाइबिल किसके पास है? क्या हम नीतिवचन अध्याय 26 कर सकते हैं। यदि आप लोगों के पास आपकी बाइबिल है, तो हम आज उनका काफी उपयोग करेंगे-- नीतिवचन अध्याय 26 पद 4। तो क्या मुझे कोई ऐसा व्यक्ति मिल सकता है जो थोड़ा अधिक सजावटी हो, मुझे दीजिए, क्यों नहीं आप नीतिवचन अध्याय 26 श्लोक 5 को करें। वह नीतिवचन अध्याय 26 श्लोक 4 को करने जा रही है और वह नीतिवचन अध्याय 26 श्लोक 5 को करने जा रहा है। तो आइए, सबसे पहले अपना ध्यान नीतिवचन 26:4 पर केन्द्रित करें। नीतिवचन 26:4 कहता है, "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना, ऐसा न हो कि तुम भी उसके समान बन जाओ।" तो क्या आप किसी मूर्ख से मिलते हैं, क्या आपको उसे उत्तर देना चाहिए? नहीं, यह कहता है "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर मत दो" क्योंकि यदि आप उत्तर देने का प्रयास करेंगे तो आप भी उसके समान हो जायेंगे। वैसे, क्या आपने कभी किसी को आते हुए देखा है और वे एक बेवकूफी भरा सवाल पूछ रहे हैं और मैं सोच रहा हूँ कि जब तक आप सवाल का जवाब देने की कोशिश करते हैं, आप उनकी

मूर्खता में फंस जाते हैं? इसलिए नीतिवचन अध्याय 26 पद 4 कहता है, “मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना, ऐसा न हो कि तुम भी उसके समान बन जाओ।”

अब, नीतिवचन 26:5 क्या कहता है? “मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो, ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान ठहरे।” तो सवाल यह उठता है कि क्या ये दोनों श्लोक एक-दूसरे का खंडन करते हैं? वैसे, आप इसे घर ले जा सकते हैं और अपने माता-पिता से कह सकते हैं, “अरे, मेरे बाइबल प्रोफेसर ने मुझे बाइबल में विरोधाभास दिखाया है।” यहाँ हम चलते हैं, ये दोनों, वे विरोधाभासी हैं। एक कहता है कि मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न दो और अगले ही श्लोक में कहा गया है कि मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो। बाइबल में विरोधाभास है, यही हम गॉर्डन कॉलेज में सीखते हैं। क्या वहाँ कोई विरोधाभास है? हाँ, परन्तु प्रभु का वचन निर्दोष है।

अब आप जानते हैं कि उसे यह कहाँ से मिल रहा है? यदि आप कभी कोई ऐसी जगह चाहते हैं जो आपको ईश्वर के वचन के बारे में बताए और बताए कि यह कितना त्रुटिहीन है और इसे बार-बार कहे, लाखों की तरह, वास्तव में 176 बार। बाइबिल के किस अध्याय में 176 छंद हैं? क्या यह कोई जानता है? यह बाइबिल का सबसे लंबा अध्याय है। भजन 119 बिल्कुल वही है जो उन्होंने कहा था, “कानून का शब्द निर्दोष है” और यह बार-बार, 176 बार चलता है। भजन 119.

प्रश्न: क्या यहां कोई विरोधाभास है? आइए बाइबिल की आयतों को उद्धृत करना छोड़ें और इन आयतों को देखें। ये श्लोक एक दूसरे का खंडन करते हैं। [छात्र: “मैं संकुचन पर एक त्वरित टिप्पणी करना चाहता हूँ। मेरी बाइबिल पुर्तगाली और अंग्रेजी और पुर्तगाली संस्करण में है, इसका मतलब समझ में आता है। ठीक है, तो पुर्तगाली संस्करण क्या कहता है? (“ठीक है, यह कहता है, “उसकी तरह मूर्खता का जवाब मूर्खता से मत दो...अन्यथा आप स्वयं उसके बराबर हो जाओगे। उसे उसी मूर्खता से जवाब दो जिसके वह हकदार है, अन्यथा वह सोचेगा कि वह बुद्धिमान है।”)

[हिल्डेब्रांट की प्रतिक्रिया] ठीक है। क्या आप देखते हैं कि उन्होंने वहाँ क्या किया? क्या उन्होंने श्लोक को समझाने की कोशिश की? अब क्या वह अनुवाद है या वह कोई

स्पष्टीकरण है? यह एक स्पष्टीकरण है. यह वास्तव में वह नहीं है जो शाब्दिक हिब्रू कहता है। मुझे खेद है, शाब्दिक हिब्रू में कहा गया है, "मूर्ख को उत्तर मत दो।" तो दूसरे शब्दों में मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि क्या पुर्तगाली लोगों को एहसास हुआ कि यहां कोई संघर्ष था? उन्होंने जो किया वह यह था कि उन्होंने एक स्पष्टीकरण लिखा ताकि वह इसे और उस तरह की चीज़ों को संशोधित कर सके। तो वे यही कर रहे थे।

अब मैं यह कहूंगा, तो क्या वहां कोई विरोधाभास है, हां। क्या यह ज्ञान साहित्य है? ज्ञान साहित्य कहता है: क्या तुम्हें मूर्ख को उत्तर देना चाहिए या मूर्ख को उत्तर नहीं देना चाहिए? क्या मूर्ख को उत्तर देने का कोई समय है और क्या मूर्ख को उत्तर न देने का भी कोई समय है? क्या आप लोग कभी उन स्थितियों में रहे हैं? कभी-कभी किसी मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर देना उचित है? हाँ, मूर्ख होने से बुरा क्या है? अपनी नजरों में बुद्धिमान होना. इसलिए यदि आप किसी मूर्ख को देखते हैं और वह अहंकार की ओर बढ़ रहा है, यदि आप उत्तर नहीं देते हैं, तो वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान बन जाएगा। बाइबल कहती है, "अरे, अपनी दृष्टि में बुद्धिमान बनकर उसे मूर्ख से भी बदतर बनने से रोको।" हालाँकि, यदि वह मूर्ख है और वह केवल मूर्खतापूर्ण प्रश्न पूछ रहा है और आप प्रश्न में फंसने वाले हैं, तो मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न दें। तो, दूसरे शब्दों में, नीतिवचन 26:4-5 इस तरह से टकराता है, लेकिन पाठक के रूप में यह आपसे क्या कहता है? क्या यह जानने के लिए कि यह कब लागू होता है, आपको बुद्धिमान और समझदार होना होगा? तो, दूसरे शब्दों में, यही समझदारी की बात है कि इन झगड़ों को देखें और कहें, "अरे, मुझे इतना बुद्धिमान होना होगा कि जान सकूँ कि कब जवाब देना है और कब नहीं।" वह ज्ञान का हिस्सा है.

इसलिए यहूदी नीतिवचन की पुस्तक को स्वीकार करते हैं और मुझे वास्तव में लगता है कि यह मेरी विशेषज्ञता का क्षेत्र है, नीतिवचन दुनिया की सबसे अद्भुत पुस्तकों में से एक है, लेकिन मुझे नीतिवचन की ये छोटी-छोटी उलझनें पसंद हैं। वे बस लोगों को परेशान करते हैं और यदि वे बाइबल नहीं जानते हैं, तो आप वास्तव में लोगों को परेशान कर सकते हैं। "इस श्लोक को देखो, माँ, इस श्लोक को पढ़ो और फिर उस श्लोक को। क्या वे एक-

दूसरे का खंडन नहीं करते?" फिर बस उन्हें प्रतिक्रिया देते हुए देखें।

मैं चाहता हूँ कि आप अपनी पीठ पर लादे गए सामान में से कुछ को त्याग दें। धर्मग्रंथ का पाठ पढ़ें. नहीं, भजन 119 मत लाएँ। भजन 119 यहाँ से बहुत आगे है। छंद स्वयं पढ़ें. वे संघर्ष करते हैं. इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है। वे संघर्ष करते हैं. मेरा मतलब है कि पहले भाग 4 का ए और 5 का ए पढ़ें, वे विरोधाभासी हैं। यदि आप वह नहीं देख सकते, तो आपको वह देखना होगा। वैसे, क्या यहूदियों ने वह देखा? हाँ उन्होंने किया। इसलिये उन्होंने इन पुस्तकों के विरुद्ध बातें कीं; क्योंकि उन्होंने संघर्ष देखा। इसलिए आपको संघर्ष देखना होगा। "मूर्ख को उत्तर मत दो," अगला श्लोक कहता है, "मूर्ख को उत्तर दो।" वे दोनों बातें विपरीत हैं।

अब आप संघर्ष को सुलझाने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन आपको संघर्ष को देखना होगा ताकि आप इसे हल कर सकें। यदि आप संघर्ष नहीं देखते हैं, तो हल करने के लिए कुछ भी नहीं है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आपको संघर्ष को देखने की जरूरत है। यहूदियों ने संघर्ष देखा। इसे पढ़ने वाला अधिकांश व्यक्ति संघर्ष देखता है, आपको संघर्ष देखने की आवश्यकता है। आपको अपने आप को थोड़ा परेशान होने देना होगा। ताकि आप इसे सुलझाने पर काम कर सकें और किसी समाधान पर पहुंच सकें.

हाँ, यह मूर्ख पर निर्भर करता है। यह स्थिति पर निर्भर करता है और इसलिए मुझे नहीं लगता कि आप ऐसा कोई एक उत्तर चाहते हैं जो सभी के लिए उपयुक्त हो। यह कहने का प्रयास किया जा रहा है, आपको तुरंत इसका पता लगाना होगा। यह जो कर रहा है वह आपके भीतर विवेक की मांग कर रहा है। इसमें कहा गया है, "यहां आपके पास दो विकल्प हैं, आपको यह पता लगाने के लिए विवेक की आवश्यकता है कि इसका उपयोग कब करना है या नहीं।" चलिए अगले पर चलते हैं।

के. एंटीलेगोमेना: ईजेकील से पूछताछ क्यों की गई? [19:43-21:23]

कुछ यहूदियों ने यहजेकेल की पुस्तक के विरुद्ध क्यों बोला? क्योंकि यहजेकेल अध्याय 40 से 48 में इस मंदिर संरचना के बारे में बात करता है जो कि मंदिर पर्वत के लिए बहुत बड़ी है। अब क्या आप जानते हैं कि टेम्पल माउंट क्या है? यरूशलेम में, शीर्ष पर एक

सोने का गुंबद वाला यह स्थान है और मूल रूप से यह मंदिर पर्वत है। जब ईजेकील टेम्पल माउंट का वर्णन करता है, तो उसे यह बहुत बड़ा लगता है। यहजेकेल ने जो वर्णन किया है उसके लिए टेम्पल माउंट पर पर्याप्त जगह नहीं है। तो यहूदी जो कहते हैं, वह काम नहीं करता। जब आप इस मील लंबे मंदिर ढांचे को टेम्पल माउंट पर स्थापित करना शुरू करते हैं, तो टेम्पल माउंट उतना बड़ा नहीं होता है। यह इसे धारण नहीं करेगा। तो कुछ यहूदी जो इज़राइल में रहते हैं, यरूशलेम को जानते हैं, वे जानते हैं कि यह बहुत बड़ा है। समझ आया? इसलिए उन्होंने इस पर सवाल उठाया। इसका समाधान यह पूछना है: ईजेकील किस मंदिर के बारे में बात कर रहा है? यह भविष्य का मंदिर है।

क्या बदलने वाला है फ़िलिस्तीन का भूगोल? क्या जैतून का पर्वत फटने वाला है? हाँ। तो वहाँ एक भौगोलिक परिवर्तन होने जा रहा है और इसलिए वह जो वर्णन कर रहा है वह भविष्य में है। भविष्य का तीसरा मंदिर, आने वाला है और वहाँ पृथ्वी की विशाल हलचल होने वाली है। तो जाहिर तौर पर मंदिर अब से भी बड़ा होगा। लेकिन आपको भविष्य पर गौर करना होगा। यह अब वहाँ फिट नहीं होगा। कुछ भौगोलिक उथल-पुथल तो होगी ही। वैसे, क्या बाइबल कहती है कि अंत समय में भौगोलिक उथल-पुथल होगी? हाँ। तो हम अच्छे हैं। इसलिए उन्होंने मंदिर के आकार के कारण यहजेकेल से पूछताछ की। लेकिन हम इससे सहमत हैं क्योंकि यह भविष्य में सर्वनाश के दौरान है।

एल. एंटीलेगोमेना: एस्तेर से पूछताछ क्यों की गई? [21:24-22:26]

अब, एस्तेर की पुस्तक पर प्रश्न क्यों उठाया गया? आप जानते हैं कि उन्होंने कहा था, "एस्तेर एक महिला है, आप जानते हैं कि हमें महिलाओं वाली चीजें पसंद नहीं हैं, इसलिए हम उस किताब से छुटकारा पाने जा रहे हैं" [मजाक]। अब एस्तेर की किताब पर सवाल क्यों उठाया गया? क्या यहूदी परमेश्वर के नाम-याहवे या यहोवा नाम पर वास्तविक गर्व महसूस करते हैं? यह उनके लिए बहुत बड़ी बात है। एस्ट की पुस्तक में कभी भी एक बार भी यहोवा के नाम का उपयोग नहीं किया गया है। यहूदियों ने एस्तेर की पुस्तक पढ़ी और उन्होंने कहा, "तुम्हें पता है, उस पुस्तक में कभी भी ईश्वर के नाम का उल्लेख नहीं है।" वैसे, जब आप एस्तेर की किताब पढ़ते हैं, तो क्या पूरी किताब में ईश्वर है? हाँ। ईश्वर पूरी किताब

में है लेकिन उसके नाम का जिक्र किताब में कभी नहीं किया गया है। अतः यहूदियों ने एस्तेर की पुस्तक पर प्रश्न उठाया। क्या यहूदियों ने एस्तेर की पुस्तक स्वीकार की? क्या वे एस्तेर द्वारा फ़ारसी नरसंहार से यहूदियों को बचाने की याद में पुरीम नामक दावत भी रखते हैं? पुरीम आज तक एक प्रसिद्ध दावत है, हम इसके बारे में बाद में बात करेंगे। लेकिन फिर भी, एस्तेर की किताब पर सवाल उठाया गया फिर भी उसे स्वीकार कर लिया गया, भले ही उसमें परमेश्वर के नाम का उल्लेख नहीं था।

एम. एंटीलेगोमेना: एक्लेसिएस्टेस से पूछताछ क्यों की गई? [22:27- 26:51]

सभोपदेशक के साथ क्या समस्या है? मेरी माँ ने वास्तव में मुझे एक्लेसिएस्टेस के बारे में एक व्याख्यान दिया था। वह कहती है, "आप उन कॉलेज के बच्चों को सभोपदेशक नहीं पढ़ाते हैं?" और मैं कहता हूँ, "नहीं, माँ, यह ठीक है, हम वहां कभी नहीं पहुंचेंगे।" वह कहती है, "ओह, मैं उस किताब को समझ ही नहीं पा रही हूँ। मैं नहीं जानता कि बाइबल में ऐसा क्यों है।" और वह वैसे ही चली जाती है। सभोपदेशक की पुस्तक से लोगों को परेशानी क्यों होती है? यह एक मारक आनंद है। हम वास्तव में ईसाई हैं इसलिए हमें हर समय खुश रहना है। जब आप सभोपदेशक की पुस्तक पढ़ते हैं, तो मुख्य संदेश क्या होता है? मुख्य संदेश घमंड, घमंड और यह सब घमंड है। सभोपदेशक की पुस्तक में वह कहता है, "अर्थहीन, अर्थहीन, सब अर्थहीन है।" प्रश्न: क्या हम ईसाई यह कहना पसंद करते हैं कि जीवन निरर्थक है? नहीं, क्योंकि हम ईसाई हैं और सब कुछ एक साथ फिट होना चाहिए। हालाँकि, क्या आपमें से कुछ लोगों ने अपने जीवन के प्रमुख बिंदुओं पर जीवन की निरर्थकता महसूस की है? हाँ। सभोपदेशक की पुस्तक इसे व्यक्त करती है। इसीलिए मुझे किताब पसंद है। मेरी मां को इससे नफरत है।

अब, लोग सभोपदेशक की पुस्तक से कैसे बाहर निकलते हैं? ऐसा मत करो। लेकिन वे इसे इसी तरह करते हैं। वे अंतिम अध्याय पकड़ लेते हैं। अध्याय 12 में कहा गया है, "ईश्वर से डरो, उसकी आज्ञाओं का पालन करो, यही मनुष्य का संपूर्ण कर्तव्य है।" क्या आप में से किसी ने कभी सभोपदेशक को घमंड, घमंड, सब व्यर्थ है के रूप में सिखाया है, लेकिन यह गड़बड़ है लेकिन अंत में वह "भगवान से डरने और उसकी आज्ञाओं का पालन करने" के

लिए आता है। तो आपके पास खराब चीजों के ग्यारह अध्याय हैं और फिर अध्याय 12 में वह यह कहकर खुद को छुड़ाता है "भगवान से डरो और उसकी आज्ञाओं का पालन करो।" क्या आप में से किसी ने सभोपदेशक को इस तरह पढ़ाते हुए सुना है? अर्थहीनता के ग्यारह अध्याय और फिर अध्याय 12 इसे एक साथ खींचता है।

मैं आपसे पूछना चाहता हूँ, क्या ईश्वर अपनी बाइबिल में उन चीजों के बारे में ग्यारह अध्याय रखने जा रहा है जो सभी गलत हैं ताकि हम अच्छाई को पकड़ सकें? मैं चाहता हूँ कि आप पहले ग्यारह अध्यायों को अपनाने के बारे में सोचें। क्या आपके जीवन में ऐसे समय आएंगे जब आपको यह जानने की आवश्यकता होगी कि अब तक के सबसे बुद्धिमान व्यक्तियों में से एक ने जीवन की निरर्थकता को महसूस किया था? उसे लगा कि जीवन भाप है। तभी आप चारों ओर देखते हैं और देखते हैं कि वहाँ बहुत सारा जीवन इसी तरह का है। मैं चाहता हूँ कि आप इसे नजरअंदाज करने के बजाय इसे अपनाएं क्योंकि सच कहूँ तो आप अपने जीवन में विभिन्न बिंदुओं पर इसे महसूस करेंगे। नहीं, जीवन कोई बड़ा खुशी का समय नहीं है; मैं यीशु से प्यार करता हूँ, सब कुछ बढ़िया है। शायद आप लोगों के लिए 18 साल की उम्र में, लेकिन मेरे घर पर एक 22 साल का बच्चा है जो युद्ध से गुजरा है। वह खुश-यीशु वाली बात नहीं करता है क्योंकि उसने अपने दोस्तों को बर्बाद होते देखा है। इसलिए मैं बस इतना कह रहा हूँ कि अपनी ईसाईयत के प्रति सावधान रहें। सभोपदेशक आपको जीवन के कुछ बड़े प्रश्नों को समझने के लिए आवश्यक तरीकों से विस्तृत कर सकते हैं जो कुछ लोगों को उनके अस्तित्व के मूल में परेशान करते हैं। यदि आप हर समय "प्रसन्न यीशु" के इर्द-गिर्द घूमते हैं, तो ऐसे लोग हैं जो आपको सतही और तुच्छ समझकर उड़ा देंगे। वे यीशु को भी उड़ा देंगे क्योंकि वे कहने जा रहे हैं कि यीशु के पास वास्तविकता से कहने के लिए कुछ भी नहीं है। मैं आपको जो बताना चाहता हूँ वह यह है, "क्या यीशु जीवन की निरर्थकता के बारे में बात कर सकते हैं?" हाँ वह कर सकते हैं। लेकिन आपको इसे समझने और अपनाने की जरूरत है और इसमें शामिल होने की जरूरत है ताकि यीशु की मुक्ति को इसमें शामिल होते देखा जा सके और यीशु जो बात करते हैं वह मनुष्य का सबसे गहरा हिस्सा है। रात को वापस जाओ . एली विज़ेल की रात याद रखें।

तो, वैसे भी, एक्लेसिएस्टेस एक अद्भुत पुस्तक है, पहले ग्यारह अध्यायों को बाहर न फेंकें। बर्ड्स का पुराना गाना सुनें। गृह युद्ध के बाद बर्ड्स नामक एक पुराना संगीत समूह है और उन्होंने गाया था, "हर चीज़ का एक समय होता है, जन्म लेने का एक समय होता है, मरने का एक समय होता है। समय आ गया है..." तो फिर इसके बारे में सोचें, गृहयुद्ध में अपने बंदूकों के साथ बायर्ड का गीत गाते हुए हिल्डेब्रांट के बारे में सोचें। लेकिन बर्ड्स ने इस पर एक अद्भुत गाना बनाया, जिसका नाम था, "टर्न, टर्न, टर्न," - "जन्म लेने का समय और मरने का समय" "शांति का समय है, शांति का भी समय है..." क्या ? और गॉर्डन कॉलेज के लिए, आपको यह पसंद आएगा। "शांति का समय है" शांति, शांति, शांति, क्या हम शांति करते हैं? सभोपदेशक कहते हैं, "शांति का समय है" और किसका समय है? "युद्ध का समय।" "जन्म लेने का एक समय होता है, मरने का भी एक समय होता है।" इसे इस प्रकार बहुत ही रोचक ढंग से संतुलित किया गया है। हमें कभी-कभी संतुलन का केवल एक ही पक्ष पसंद आता है। लेकिन एक्लेसिएस्टेस एक अद्भुत संतुलित पुस्तक है।

एन. एंटीलेगोमेना: गानों के गीत पर सवाल क्यों उठाया गया? [26:52-30:36]

दूसरी बात जिस पर मेरी माँ ने मुझे व्याख्यान दिया था वह है सोलोमन का गीत। इसे "गीतों का गीत" कहा जाता है। "आप कॉलेज के बच्चों को यह नहीं सिखाते, है ना?" और उत्तर है: "नहीं, माँ, हम वहाँ कभी नहीं पहुँचते।" तो सोलोमन का गीत अपने चर्च के लिए मसीह का प्यार है, जिसे एक आदमी और उसकी पत्नी के बीच प्रेम संबंध के भौतिक संदर्भ में चित्रित किया गया है। क्या आप मानते हैं कि? आरंभिक चर्च के बहुत से लोगों ने इसे इसी तरह सिखाया। उन्होंने कहा कि गीतों का गीत चर्च के साथ ईसा मसीह का प्रेम संबंध था। क्या सॉन्ग सॉन्ग एक प्रेम गीत है? एक बार उन्होंने मुझे जैमिसन, फॉसेट और ब्राउन कमेंटरी का पुनरीक्षण करने के लिए नियुक्त किया था। यह एक प्रसिद्ध पुरानी बाइबिल टिप्पणी है। उन्होंने मुझे मूल रूप से गानों के गीत में जाने और 1800 से लेकर 20^{वीं} शताब्दी तक की टिप्पणियों को अद्यतन करने के लिए नियुक्त किया। तो मैं इससे गुजर रहा था, मुझे पता था कि यह बुरा था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि यह इतना बुरा था। होता यह है कि उगारिट नाम की एक जगह है। यदि यह इज़राइल है, इज़राइल के ऊपर, इज़राइल के ठीक

उत्तर में, उन्हें उगारिट नामक एक स्थान मिला है। उन्हें वहां 1200 ईसा पूर्व की उगारिटिक नामक भाषा में लिखी गोलियों का एक गुच्छा मिला, जिसे सीखने के लिए मुझे मजबूर होना पड़ा। उगारिटिक में, सभी प्रकार की कल्पनाएं हैं और अनुमान लगाएं कि वह कल्पना किससे बहुत मिलती-जुलती है? गीतों के गीत में कल्पना. क्या हम जानते हैं कि जब वह इन सभी लिली और इन सभी पौधों के बारे में बात कर रहे हैं तो उनका क्या मतलब है, क्या अब हम जानते हैं कि इसका क्या मतलब है? हाँ हम करते हैं। क्या सचमुच, मुझे कैसे कहना चाहिए, क्या सॉन्ग ऑफ सॉन्स एक बहुत ही कामुक किताब है? और जवाब है हाँ। वैसे, अच्छी बात यह है कि इसका अधिकांश भाग कल्पना पर आधारित है इसलिए आप नहीं जानते कि यह किस बारे में बात कर रहा है और संभवतः यह अच्छा है। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह है, हाँ। आप जवाब देते हैं, "हिल्डेब्रांट आप इसे बस बना रहे हैं।" मैं इसे मनगढ़ंत नहीं बना रहा हूँ, यह सच्चाई है और हम जानते हैं कि वे छवियां क्या हैं और वे बहुत, बहुत, बहुत स्पष्ट हैं। वैसे, सेक्स किसने किया? भगवान ने किया. तो आप यहां जो देख रहे हैं वह यह खूबसूरत रोमांटिक रिश्ता है। वैसे, क्या आपकी पीढ़ी को इससे कोई दिक्कत है? मैं इसे पतन का दशक कहता हूँ। आप लोग कब परिपक्व होंगे? लगभग 14, 15. लोग 20 साल की उम्र तक शादी नहीं करते हैं, आपके पास दस साल हैं। इसने इस संपूर्ण कामुकता के मामले में हमारी संस्कृति में एक बड़ी समस्या पैदा कर दी है? सॉन्ग ऑफ सॉन्स क्या कहता है, "नहीं, यह सुंदर है। यह जीवन की सबसे खूबसूरत चीजों में से एक है।"

बाइबल इसका वर्णन केवल पेड़ों और फूलों के रूप में करती है और इसलिए यह अच्छा है। तो वैसे, क्या यहूदियों को सोलोमन के गीत से समस्या थी? यहूदी जानते थे कि यह किस बारे में बात कर रहा है। ये सभी लोग अपनी काली टोपी और घुंघराले निशान पहने हुए हैं। मैं बस इतना कह रहा हूँ कि क्या उन्हें पता था कि इस बात का मतलब क्या है? वे जानते थे कि इसका क्या मतलब है और उन्होंने सवाल किया कि क्या यह बाइबल में होना चाहिए। अब क्या उन्होंने बाइबिल में गीतों के गीत को शामिल किया? हाँ, उन्होंने इसे शामिल किया लेकिन इसके बारे में कुछ प्रश्न थे, मैं बस यही कह रहा हूँ।

तो उन पाँचों को वे "एंटीलेगोमेना" कहते हैं। अब यह पुराने नियम का सिद्धांत है, ये स्वीकृत पुस्तकें हैं। हमें पुराने नियम का सिद्धांत किसने दिया? पुराने नियम में परमेश्वर के लोग। अब पुराने नियम में परमेश्वर के लोग कौन थे? यहूदी। इसलिए यहूदी हमें पुराने नियम का सिद्धांत देते हैं। क्या यहूदियों ने स्वयं अपनी ही पाँच पुस्तकों पर प्रश्न उठाया था? हां, वे स्वचालित रूप से अंदर नहीं आये। उन्होंने सवाल किया. ये हैं एंटीलेगोमेना। उन्होंने नीतिवचनों पर सवाल उठाया, उन्होंने एक्लेसिएस्टेस पर सवाल उठाया, उन्होंने एस्तेर, सॉन्ग ऑफ सॉन्स पर सवाल उठाया और उन्होंने ईजेकील पर सवाल उठाया। तो वे हैं एंटीलेगोमेना।

ओ. अपोक्रीफ़ा या ड्यूटेरो-कैनोनिकल पुस्तकें [30:37-35:18]

अब ओल्ड टेस्टामेंट अपोक्रीफ़ा, ओल्ड टेस्टामेंट एपोक्रीफ़ा क्या है? ओल्ड टेस्टामेंट अपोक्रीफ़ा ऐसी पुस्तकें हैं जिन्हें कैथोलिक चर्च द्वारा स्वीकार किया जाता है लेकिन आमतौर पर प्रोटेस्टेंट द्वारा स्वीकार नहीं किया जाता है। ये मैकाबीज़ जैसी किताबें होंगी। क्या किसी ने मैकाबीज़ की किताब के बारे में सुना है? मैकाबीज़ 1 और 2, बेल और ड्रैगन, बेन सिराच की बुद्धि, सोलोमन की बुद्धि और अन्य। वैसे, क्या एपोक्रीफ़ा पुस्तकें पढ़ना बहुत महत्वपूर्ण हैं? हां, वे। पुराने नियम की शुरुआत तब हुई जब मूसा ने लिखना शुरू किया। बड़ा सवाल मूसा की तारीख 1400 या 1200 ईसा पूर्व इस पर बड़ा विवाद है। पुराना नियम कब समाप्त होता है? मैं हमेशा कहता हूँ, मैं इस व्यक्ति को मालाकी कहता हूँ, जो इतालवी भविष्यवक्ताओं में से अंतिम है। वैसे भी, मलाकी ने इसे 400 ईसा पूर्व समाप्त किया। 400 ईसा पूर्व और यीशु के बीच क्या होता है? 400 और 0 के बीच क्या होता है? क्या पुराना नियम हमें ऐसा कुछ बताता है जो 400 के बाद हुआ था, जब मलाकी ने भविष्यवाणी की थी? नहीं, कुछ भी नहीं है, शून्य।

एपोक्रीफ़ा पुस्तकें मलाकी के समय और यीशु के समय के बीच की 400 वर्ष की अवधि से आती हैं। उन किताबों में से एक जो बहुत दिलचस्प है और वास्तव में जब मैं न्यू टेस्टामेंट करता हूँ, तो हम मैकाबीज़ की किताब पढ़ते हैं। यह आदमी है, एंटीओकस एपिफेनीज़, वह एक छद्म मसीह विरोधी की तरह है और वह यहूदियों को मारता रहता है

और कुछ बहुत ही घृणित काम करता है। मैकाबीज़ लड़के ऊपर उठते हैं और वे हथौड़े हैं। वे बाहर जाते हैं और इन सीरियाई लोगों पर हमला करते हैं। इसलिए सीरियाई लोग यहूदियों को मार रहे हैं और यहूदी उनके पीछे चले गए। यह सब मैकाबीज़ की पुस्तक [लगभग] में दर्ज है। 167 ईसा पूर्व।

अब, प्रश्न: क्या वह परमेश्वर के वचन का हिस्सा है या नहीं? यह वास्तव में दिलचस्प इतिहास है और यह वास्तव में महत्वपूर्ण इतिहास है। वैसे, आप सभी यह जानते हैं, मैकाबीज़ ने सीरियाई एंटीओकस एपिफेन्स के खिलाफ लड़ाई लड़ी और उन्होंने उस पर विजय प्राप्त की। उन्होंने मंदिर को साफ किया और इस मसीह-विरोधी व्यक्ति, एंटीओकस से मंदिर की सफाई का जश्न मनाने के लिए उन्होंने रोशनी का पर्व मनाया। उन्होंने इसे "रोशनी का पर्व" कहा। आप लोग तो सब जानते ही हैं, खुशी किसे कहते हैं? आप यहूदी हैं। खुश क्या? हैप्पी हनुका! आपके अनुसार हनुका कहाँ से आता है? हनुक्का मैकाबीज़ से आता है। लगभग 167 ईसा पूर्व, पुराने नियम के समय में विवरण हमारे लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं, लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह मैकाबीज़ की पुस्तक को पढ़ना महत्वपूर्ण है। यह पढ़ना दिलचस्प है, लेकिन क्या यह ईश्वर का वचन है? ये दो अलग-अलग प्रश्न हैं? इसलिए इसे पढ़ना महत्वपूर्ण है। क्या यहूदियों ने एपोक्रीफा को ईश्वर के वचन के रूप में स्वीकार किया? क्या एपोक्रीफा यहूदी पवित्र सिद्धांत का हिस्सा है? जवाब न है। हमें अपना पुराना नियम सिद्धांत कहाँ से मिलता है? यहूदी लोग. यहूदी लोग एपोक्रीफा को स्वीकार नहीं करते हैं और इसलिए हम भी इसे स्वीकार नहीं करते हैं। तो अपोक्रीफ़ा पढ़ना बहुत दिलचस्प है लेकिन यह ईश्वर के वचन के स्तर पर नहीं है और मोटे तौर पर प्रोटेस्टेंट के रूप में हम इसे स्वीकार नहीं करते हैं। पवित्रशास्त्र के अन्य भागों और उस जैसी चीजों के साथ कुछ विरोधाभास हैं लेकिन मैं इसे पढ़ने की सलाह देता हूँ। यह दिलचस्प है।

एक परंपरा है जहां उन पुस्तकों को सेप्टुआजेंट (लगभग 150 ईसा पूर्व) और लैटिन वल्गेट (400 ईस्वी) में रखा गया था। और इसलिए उन्होंने लैटिन वल्गेट के साथ बहुत कुछ किया। वे वहां थे. अब बहुत से लोग सोचते हैं कि उन्हें विहित पुस्तकों के साथ रखा गया था, कि उन्हें पढ़ना महत्वपूर्ण था लेकिन उन्हें अलग रखा गया था। लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें

अलग-अलग रखा गया था और अचानक ही वे अंदर चले गए। रोमन कैथोलिक चर्च के कुछ सिद्धांत मानते हैं कि प्रोटेस्टेंट एपोक्रीफा में शामिल नहीं हैं। वैसे, अपोक्रीफा को स्पष्ट रूप से स्वीकार करने वाली पहली चर्च परिषद ट्रेंट की परिषद, 1545 थी। मुझे सटीक तारीख नहीं पता लेकिन यह 15 या 16 शताब्दी ईस्वी में थी। क्या इसमें थोड़ी देर हो गई है? 1500 ई., वह थोड़ा देर हो चुकी है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह प्रोटेस्टेंटिज्म के खिलाफ एक प्रतिक्रिया थी। यहूदी इसे स्वीकार नहीं करते. उन्होंने बेन सिराच को पढ़ा। यहूदी अपोक्रीफा के विशेषज्ञ हैं क्योंकि यह 400 वर्ष की अवधि का उनका इतिहास बताता है लेकिन वे इसे धर्मग्रंथ के रूप में स्वीकार नहीं करते हैं। इस पर बड़ी बहस हो रही है।

पी. स्यूडेपिग्राफा [35:19-38:51]

स्यूडेपिग्राफा। "छद्म" का क्या मतलब है? यदि कुछ "छद्म" है--तो वह झूठ है। तो स्यूडेपिग्राफा "झूठे लेखन" हैं जिन्हें किसी ने स्वीकार नहीं किया है। ये वो लेख हैं जिन्हें हर कोई फर्जी मानता है. वे झूठे हैं. क्या किसी को याद है जब आपने अध्याय 5 में उत्पत्ति पढ़ी थी तो मुझे लगता है कि यह था? इसमें कहा गया है, "हनोक भगवान के साथ चला और वह ऐसा नहीं था क्योंकि भगवान ने उसे ले लिया।" क्या आप जानते हैं कि हनोक की पुस्तक नामक एक पुस्तक है? क्या आप हनोक के बारे में पढ़ना नहीं चाहेंगे? हनोक की किताब. जब आप न्यू टेस्टामेंट, न्यू टेस्टामेंट स्यूडेपिग्राफा में होते हैं, तो आपको गॉस्पेल ऑफ थॉमस नामक एक पुस्तक मिलती है। क्या थॉमस के बारे में पढ़ना वाकई अच्छा नहीं होगा? थॉमस पर संदेह करना याद है? उसके पास एक सुसमाचार है--थॉमस का सुसमाचार। अब क्या यह परमेश्वर के वचन के करीब है या ये चीज़ें और भी अजीब होती जा रही हैं? दरअसल, क्या किसी को याद है, यह लगभग चार साल पहले की बात है, बाइबिल के आलोचकों और नास्तिकों के पास ईस्टर से पहले का समय था जिसे मैं "ईस्टर आश्चर्य" कहता हूँ। नहीं, मैं गंभीर हूँ, हर ईस्टर पर वे ईसाई धर्म को बदनाम करने के प्रयास में कुछ न कुछ लेकर आते हैं। इस बार उन्होंने यहूदा का सुसमाचार किया। क्या किसी को वह याद है? यह ठीक ईस्टर के आसपास सामने आया, यहूदा का सुसमाचार। इसलिए मुझे एक प्रति मिली और मैंने सोचा कि मैं इसे सिर्फ इसलिए पढ़ूंगा क्योंकि मुझे इसके खिलाफ बहस करनी है। सच कहूँ

तो मैं वास्तव में आपसे निराश था। पहला पैराग्राफ पढ़ने के बाद, यह स्पष्ट है कि यहूदा का सुसमाचार एक गूढ़ज्ञानवादी पाठ है। जैसे ही मैं गूढ़ज्ञानवादी पाठ कहता हूँ आप दूसरी या तीसरी शताब्दी ई.पू. की बात कर रहे होते हैं। बहुत देर हो चुकी है। दूसरे शब्दों में, यह यीशु के बाद लिखा गया है, यह एक गूढ़ज्ञानवादी पाठ है। मैं सचमुच निराश था। यह कोई चुनौती भी नहीं थी। आप लड़ने के लिए थोड़ा सा मांस प्राप्त करने में सक्षम होना चाहते हैं। आरंभ में भी यह स्पष्ट रूप से एक गूढ़ज्ञानवादी पाठ था। इसलिए मैंने पूरा पढ़ा, लेकिन यह निराशाजनक था। यह स्पष्ट रूप से देर से आया गूढ़ज्ञानवादी पाठ है। जैसे ही मैं कहता हूँ कि गूढ़ज्ञानवादी पाठ वह धर्मग्रंथ होने जा रहा है क्योंकि यह नए नियम के सौ साल, दो सौ साल बाद की बात है, इसलिए यह समय के हिसाब से फिट नहीं बैठता है। मुझे उम्मीद है कि वे इस साल कुछ बेहतर लेकर आएंगे।

तो वह स्यूडेपिग्राफ़ा है। वैसे, क्या आप लोगों में से किसी ने कभी यीशु के बारे में कहानियाँ पढ़ी हैं? क्या आपने कभी सोचा है कि यीशु जब एक वर्ष के थे और जब वे सोलह वर्ष के थे तब वे कैसे थे - तीस वर्ष के होने से पहले की प्रतीक्षा न करें? इनमें से कुछ स्यूडेपिग्राफ़ा में युवा यीशु की कहानियाँ हैं जब वह बाहर निकलता है और बच्चों से लड़ता है। वह धूल उठाता है और उसे कबूतर बनाता है और वह चला जाता है (उसी तरह) और कबूतर उड़ जाता है। तो यह सब वास्तव में बढ़िया चीजें हैं। स्यूडेपिग्राफ़ा नए नियम स्यूडेपिग्राफ़ा के आधार पर यीशु के प्रारंभिक जीवन का पुनर्निर्माण करने का प्रयास करेगा। क्या कोई स्यूडेपिग्राफ़ा को सुसमाचार के रूप में स्वीकार करता है? नहीं, लेकिन, वैसे, क्या आलोचक इसका उपयोग यीशु को बदनाम करने के लिए करने का प्रयास करेंगे क्योंकि उनके पास जंगली और निराला कहानियाँ हैं। हालाँकि वे काफी दिलचस्प हैं। तो हाँ, वे इसी प्रकार की सामग्री का उपयोग करते हैं। लेकिन फिर, विश्वासियों के लिए यह कैनन है, यह अपोक्रीफ़ा है, यह बॉल पार्क में है। स्यूडेपिग्राफ़ा को कोई भी पवित्र ग्रंथ के रूप में स्वीकार नहीं करता है।

प्र. बाइबल की लिपिबद्ध प्रतिलिपि: पाठ का पारेषण

3000 वर्ष [38:52-40:36]

ट्रांसमिशन --यह वह जगह है जहां आगे बढ़ना कठिन हो जाता है। ध्यान दें, यह चीज़ पेचीदा है। क्या भगवान ने अपने वचन को सुरक्षित रखने के लिए त्रुटिपूर्ण प्रक्रियाओं का उपयोग किया ? क्या परमेश्वर ने अपने वचन को सुरक्षित रखने के लिए त्रुटिपूर्ण लोगों का उपयोग किया? आप बाइबल को मूसा से कैसे प्राप्त कर सकते हैं, जो कहते हैं कि इसे 1440 या 1200 ईसा पूर्व लिखा गया था (इस बात पर बड़ी बहस है कि मूसा 1440 या 1200 ईसा पूर्व के थे)। आप इसे 1200 ईसा पूर्व से 21^{वीं} सदी तक कैसे पाते हैं? बाइबल हम तक कैसे पहुंची? शास्त्रियों को इसकी बार-बार नकल करनी पड़ती थी। लेकिन जब कोई किताब बिना वर्तनी जांच के बार-बार हाथ से कॉपी हो जाती है तो इसमें समस्या क्या है? क्या त्रुटियाँ आती हैं? क्या आप हाथ से नकल कर सकते हैं, या क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो बिना गलती किए एक हजार पत्रों की किताब की नकल कर सकता है? अब क्या परमेश्वर ने भविष्यवक्ताओं से बात की? हां, तो वहां हमारा सीधा ईश्वरीय संबंध है। क्या शास्त्री नियमित मनुष्य नकल कर रहे हैं? हालाँकि मृत सागर स्क्रॉल कब सामने आए? क्या 2000 वर्षों से लोगों के पास मृत सागर स्क्रॉल हैं? नहीं, यह कुछ ऐसा है जो केवल 1948 के बाद से हुआ है। इसलिए इससे पहले किसी को भी उनके बारे में पता नहीं था। हम वापस आएँगे और बाद में डेड सी स्क्रॉल देखेंगे।

आर. आई सैमुअल 13:1 पाठ संस्करण/प्रतिलिपिकार त्रुटि [40:37-46:48]

आइए मैं आपको आपके धर्मग्रंथों में एक प्रतिलिपिवादी समस्या दिखाता हूँ। आइए मैं आपको आपकी बाइबिल में दिखाता हूँ। किंग जेम्स संस्करण किसके पास है? क्या किसी को किंग जेम्स मिला? क्या आप 1 शमूएल 13:1 देख सकते हैं? क्या किसी को एएसवी या एनएएसवी मिला है? क्या आप 1 शमूएल 13:1 देख सकते हैं? एनआईवी किसे मिला है? तो फिर ईएसवी या एनआरएसवी किसके पास है? याद रखें मैंने आपको बताया था कि ईएसवी एक तरह से आरएसवी का ही प्रतिरूप है। 1 शमूएल 13:1. अब मैं चाहता हूँ कि आप यह करें कि, यदि आप लोगों को आपकी बाइबिल मिल गई है, तो मैं चाहता हूँ कि आप उन्हें 1 शमूएल 13:1 खोलें, और देखें कि आपकी बाइबिल क्या कहती है। यह एक लिपिबद्ध त्रुटि है. अब, वैसे, क्या इसका मतलब यह है कि आप मुझसे सहमत हो सकते हैं या मुझसे

असहमत हो सकते हैं या यह तथ्य है? यह तथ्य है। ये वे पांडुलिपियाँ हैं जो हमारे पास हैं। वे आपकी बाइबिल में प्रतिबिंबित होते हैं; बाइबिल के विभिन्न अनुवाद सुनें।

वैसे, न्यू किंग जेम्स संस्करण मूल रूप से पुराने किंग जेम्स के समान ही बात कहता है। 1 शमूएल 13:1 के लिए किंग जेम्स संस्करण कहता है, "शाऊल ने एक वर्ष तक शासन किया और फिर उसने इस्राएल पर दो वर्ष तक शासन किया।" मैं चाहता हूँ कि आप इसके बारे में सोचें। क्या वह श्लोक सचमुच बहुत मायने रखता है? आम तौर पर, यदि कोई व्यक्ति दो साल तक शासन करता है तो आप कहेंगे, "उसने दो साल तक शासन किया।" क्या इससे यह पता चलता है कि उसने एक वर्ष तक शासन किया? यह माना जाता है कि उसने एक वर्ष तक शासन किया। तो राजा जेम्स कहते हैं, "शाऊल ने एक वर्ष तक शासन किया और फिर उसने इस्राएल पर दो वर्ष तक शासन किया।" क्या यह आपको थोड़ा अजीब लगता है? मैं चाहता हूँ कि आप इसके बारे में सोचें।

एनएएसवी, क्या मैं एनएएसवी को अपने दिमाग से निकाल दूँ? यह 1977 का एनएएसवी है। यह क्या कहता है? उसे नया मिल गया है जिसे उन्होंने ठीक कर दिया है। यह अधिक वर्तमान है। मैं 1901 के मूल एनएएसवी और एएसवी और 1977 के एनएएसवी पर वापस जा रहा हूँ। मूल में यह कहा गया है, "जब शाऊल ने शासन करना शुरू किया तो वह 40 वर्ष का था और उसने इस्राएल पर 32 वर्ष तक शासन किया।" यह वही बात है जो मूल एनएएसवी बाइबिल में कही गई है, नई बाइबिल में नहीं, उन्होंने इसे सही कर दिया है। लेकिन 1977 में कहा गया है, "शाऊल जब राज्य करने लगा तब वह 40 वर्ष का था और उसने इस्राएल पर 32 वर्ष तक राज्य किया।" शाऊल की मृत्यु के समय उसकी आयु कितनी थी? 72.

अब आपमें से कई लोगों के पास एनआईवी है। एनआईवी को देखो। इसमें कहा गया है, "शाऊल जब राज्य करने लगा तब वह 30 वर्ष का था, और उस ने इस्राएल पर 42 वर्ष तक राज्य किया।" शाऊल की मृत्यु के समय उसकी आयु कितनी थी? 72. क्या वह अलग है? एक का कहना है कि वह 40 वर्ष का था और उसने 32 वर्षों तक शासन किया और

एनआईवी में अनुवादित वही श्लोक कहता है कि वह 30 वर्ष का था और उसने 42 वर्षों तक शासन किया।

अब ईएसवी (और आरएसवी) कहता है, "जब शाऊल ने शासन करना शुरू किया तब वह...वर्षों का था और उसने शासन किया...और इस्राएल पर 2 वर्ष तक शासन किया।" अब ईमानदारी से कहें तो कौन हमें वही बता रहा है जो पाठ कहता है? हिब्रू पाठ में क्या कहा गया है? क्या ईएसवी और आरएसवी सही हैं? नंबर चला गया. वैसे, क्या फुटनोट में आपके कई अनुवादों ने आपको बताया कि संख्या खत्म हो गई है? हाँ। क्या इसीलिए आप अपनी बाइबल से फुटनोट का उपयोग करते हैं? क्या वे महत्वपूर्ण हैं? तो मूल रूप से उन्होंने फुटनोट में कहा: संख्याएँ चली गईं। अब प्रश्न: क्या इससे आपको कोई फर्क पड़ता है? ठीक है, आप कहते हैं, मुझे विश्वास नहीं होता कि यह चला गया है। क्या इससे कोई फर्क पड़ता है कि आप क्या मानते हैं? ईमानदारी से कहूँ तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या मानते हैं, वह खत्म हो चुका है। यह सच्ची सच्चाई है. वह चला गया। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप, आपकी माँ, आपके पिता, आपके पादरी, आपके मिशनरी...इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे क्या मानते हैं। नंबर चला गया. आरएसवी इसे ऐसे ही बताता है। एनआईवी को 30 और 42 कहाँ से मिले? दरअसल, वे अधिनियमों की पुस्तक पर गए और अधिनियम 13:21 कुछ संकेत देता है और उन्होंने अधिनियमों से संख्या को पढ़ा। उन्होंने एक नंबर बनाया और उसे वहां डाल दिया। हाँ, इसलिए हिब्रू पाठ में 40 नहीं है। यदि आप अधिनियम अध्याय 13 पर जाएँ, तो इसमें कुछ संख्याएँ हैं जो हमारी मदद करती हैं। सेप्टुआजेंट भी संख्याएँ भरेगा। तो वहां क्या हुआ? यह एक लिपिकीय त्रुटि है.

एस. मार्क 16 पाठ्य समस्या [46:59-49:50]

वैसे, क्या आपकी आधुनिक बाइबलें आपको बताती हैं कि कब कोई लिपिकीय समस्या है? क्या वे आपके प्रति ईमानदार हैं कि वे आपको बता रहे हैं कि कोई लिपि संबंधी समस्या है? अपनी बाइबल में मार्क 16 को देखें, देखें कि आपकी बाइबल मार्क 16 को कैसे संभालती है। मार्क 16 एक प्रमुख शास्त्रीय समस्या है: इसे हल करना बहुत मुश्किल है।

मार्क अध्याय 16 को देखें, जो मार्क की पुस्तक का अंतिम अध्याय है। आपकी बाइबल आयत 8 के बाद क्या कहती है? मरकुस 16:8-9 में आपका एनआईवी क्या करता है? उन दोनों के बीच, इसमें क्या है? “वे बाहर चले गए और किसी से कुछ नहीं कहा क्योंकि वे डरे हुए थे।” उसके ठीक बाद एनआईवी में क्या आता है? एक लाइन है. फिर यह क्या कहता है? क्या यह लाइन पर कुछ कहता है या यह आपको सिर्फ एक लाइन देता है? (व्यक्ति बात करता है) हां, तो "मरकुस 16:9-20, हमारे पास मौजूद कुछ बेहतरीन पांडुलिपियों में वे छंद नहीं हैं" और वे पंक्ति के साथ इसका संकेत देते हैं। वैसे, क्या वे आपके प्रति ईमानदार हैं? वे बस आपसे कह रहे हैं, "अरे, इससे सावधान रहें।" क्या वे इसे वहां रखते हैं? उन्होंने इसे वहां रखा है लेकिन वे आपको वह चेतावनी देते हैं। कुछ लोगों का कहना है कि उच्चारण में बदलाव आ गया है इसलिए इसे बाद में जोड़ा गया। तो इस पर बड़ी बहस छिड़ गई है. वैसे, क्या बाइबल के लिए यह उचित था कि वह इसे रखे लेकिन वह पंक्ति वहां रखे और इसमें से कुछ समझाए? हाँ।

क्या किंग जेम्स संस्करण एक पंक्ति में रखा गया है? क्या किंग जेम्स के पास, जब यह कहा गया है, "प्रारंभिक गवाह," क्या किंग जेम्स के पास आज हमारे पास मौजूद शुरुआती गवाहों में से कोई था। जवाब न है।" किंग जेम्स 1611 ई. में किया गया था। 1611 ई. में, क्या उनके पास ये सभी या इनमें से कोई पांडुलिपियाँ थीं? नहीं, वे उनके पास नहीं थे. क्या इसका मतलब यह है कि किंग जेम्स हमेशा के लिए पूरी तरह से दोषपूर्ण है? क्या उन्होंने 1611 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया? क्या अब हम 1611 की तुलना में अधिक जानते हैं? क्या हमारे पास 1611 की तुलना में हजारों अधिक पांडुलिपियाँ हैं? हाँ। वैसे, क्या अब हम दुनिया भर की पांडुलिपियों के बारे में जानते हैं? वे 1611 में इंग्लैंड में ऐसा कर रहे थे, वे बुडापेस्ट में किसी को ईमेल करके यह नहीं कह सकते थे, "अरे, मुझे अपनी पांडुलिपि दो।" वे इंग्लैंड में थे, यह 1611 था, और वे फंस गए थे। इसके लिए किंग जेम्स अनुवाद को दोष न दें।

टी. 1 जॉन 5:7 पाठ्य समस्या: केजेवी और एनआईवी/एनआरएसवी की तुलना करें

[49:51-52:18]

एक अन्य स्थान जहाँ किंग जेम्स की वास्तविक समस्या है वह है 1 यूहन्ना 5:7 और वह पद बाद में जोड़ा गया था। आपके सभी आधुनिक अनुवाद इस श्लोक को हटा देंगे।
 जैसे, क्या आपको 1 यूहन्ना 5:7 मिला है? मैं आपको बस आरंभिक चर्च के बारे में बताना चाहता हूँ। चर्च के पहले दो से तीन सौ वर्षों के शुरुआती चर्च में, क्या उन्होंने ट्रिनिटी के सिद्धांत पर बहस की थी? क्या उस सिद्धांत को स्थापित करने में उन्हें कुछ समय लगा? इसलिए उन्होंने इसके बारे में आगे-पीछे बहस की। जब चर्च के पिता बार-बार बहस करते थे, तो क्या उन्होंने अपनी बातों को साबित करने के लिए धर्मग्रंथ को आगे-पीछे उद्धृत किया था? हाँ उन्होंने किया। हमें तर्क-वितर्क के रिकॉर्ड मिल गए हैं। क्या उन्होंने पवित्रशास्त्र का उपयोग करके बहस की? यह वही है जो आप 200, 300, 400 ई.पू., उस तरह के युग में चर्च के पिताओं से करने की अपेक्षा करते थे।

1 यूहन्ना 5:7 में राजा जेम्स क्या कहता है। मैं चाहता हूँ कि आप यहां त्रित्व के सिद्धांत के बारे में सोचें। "तो स्वर्ग में तीन लोग गवाही देते हैं: पिता, वचन," शब्द कौन है? - यीशु, *लोगो*, "और पवित्र आत्मा। ये तीन एक हैं।" वह श्लोक बहुत स्पष्ट रूप से कौन सा सिद्धांत सिखाता है? "पिता, वचन, और पवित्र आत्मा। ये तीन एक हैं।" क्या यह त्रिएकत्व की सबसे स्पष्ट प्रस्तुति है जिसे आप बाइबल में कहीं भी पा सकते हैं? ऐसी कोई कविता नहीं है जो उसके करीब भी हो। क्या आप जानते हैं कि उस श्लोक को प्रारंभिक चर्च के पिताओं द्वारा एक बार भी उद्धृत नहीं किया गया था? जब वे ट्रिनिटी पर बहस कर रहे थे, तो उन्होंने उस श्लोक को कभी उद्धृत नहीं किया। क्या यह आपको कुछ बताता है? वह श्लोक वहां नहीं था। वास्तव में, वह कविता पहली बार 16^{वीं} शताब्दी ईस्वी में सामने आई थी। क्या इसमें थोड़ी देर हो गई है? दरअसल, ज्यादातर लोगों का मानना है, एक लड़का है जिसका नाम है, मैं उसे इरास्मस द रास्कल कहता हूँ। इरास्मस द रास्कल ने बाइबल में लिखा है कि, कुछ लोग सोचते हैं, दांव पर। किसी ने उनसे शर्त लगाई कि वह ऐसा नहीं कर सकते इसलिए उन्होंने इसका लैटिन से वापस ग्रीक में अनुवाद किया। और फिर क्या हुआ? किंग जेम्स संस्करण में इरास्मस ग्रीक पाठ का उपयोग किया गया था लेकिन इरास्मस ने इस कविता को लिखा था और इसलिए उन्होंने इसे अपने केजेवी अनुवादों में रखा। तो वहाँ कोई नोट

नहीं है, यह सिर्फ उस श्लोक को कहता है। आप देखेंगे कि सभी आधुनिक अनुवादों ने इसे हटा दिया है क्योंकि यह 16^{वीं} शताब्दी से पहले नहीं पाया जाता है। क्या आप प्रारंभिक पांडुलिपियों को समझते हैं? क्या हमारे पास यह पपीरस पांडुलिपियों में है? नहीं।

यू. पवित्रशास्त्र के पाठ की सटीकता की सामान्य चर्चा [52:19-57:00]

मुझे इस बिंदु पर यह कहने की आवश्यकता है। मुझे इस चीज़ पर विचार करने की चिंता है। यहां तक कि पिछली कक्षा में एक छात्र ने कहा था कि यह ऐसा है, जैसे आप अचानक कहते हैं, "पवित्र गाय, ये सभी त्रुटियां हैं, पूरी बाइबिल आग की लपटों में जल रही है। कौन जानता है? आदम और हव्वा, शायद वे जीवित नहीं रहे। मेरा मतलब है कि शायद, आप जानते हैं, कैन और हाबिल शायद यह एक लिखित त्रुटि थी। पूरी बात बढ़ जाती है।"

अब क्या आप समझ गए, बाइबिल। उदाहरण के लिए मैं न्यू टेस्टामेंट का उपयोग करता हूँ। हमारे पास न्यू टेस्टामेंट की 5,000 पांडुलिपियाँ हैं। क्या हम उन 5,000 की तुलना कर सकते हैं? क्या हमारे पास साधन और तंत्र हैं? प्रिंसटन में एक आदमी है, उसने अपने जीवन में 67 वर्षों तक बस इतना ही किया है कि इन पांडुलिपियों और उनकी भिन्नताओं का अध्ययन किया है। उसका नाम ब्रूस मेट्ज़गर है। यह आदमी अविश्वसनीय है। उन्होंने दुनिया भर में इन पांडुलिपियों का अध्ययन किया और उन्हें एक साथ रखा। 5,000 पांडुलिपियाँ। हम उनके बारे में जानते हैं, वे संहिताबद्ध हैं और इस तरह की सभी चीज़ें। मुझे बताओ, क्या तुमने कभी प्लेटो नाम के किसी व्यक्ति के बारे में सुना है? मैं यह अंतिम नाम भूल गया हूँ। प्लेटो ने भी तब लिखा था, हमारे पास प्लेटो की कितनी पांडुलिपियाँ हैं? हमारे पास न्यू टेस्टामेंट की 5,000 पांडुलिपियाँ हैं, आपके पास प्लेटो की कितनी पांडुलिपियाँ हैं? आपके पास संभवतः प्लेटो की 7-13 पांडुलिपियाँ हैं। ओह, आप अरस्तू के बारे में क्या कहते हैं? क्या कभी किसी ने अरिस्टोटेलियन पाठ देखा है? ठीक है, यह इस मोटे के बारे में है? अरस्तू, उसके पास तर्क, अलंकार, नैतिकता, इस तरह की चीज़ें हैं। आप जानते हैं कि यह वास्तव में महत्वपूर्ण दर्शन है, *निकोमैचियन एथिक्स*। मैंने अभी कुछ देर पहले ही इस पर काम किया था। यह एक अद्भुत पाठ है, अरस्तू काफी अच्छा लड़का था। आप जानते हैं कि हमारे पास अरस्तू की कितनी पांडुलिपियाँ हैं? 120 या उससे कम। नये नियम में हमारे

पास कितने हैं? 5,000. हमारे पास अरस्तू के कितने हैं? 120 या उससे कम. क्या आप तुलना देखते हैं? क्या नया नियम इस ग्रह पर किसी भी किताब से बेहतर स्थापित है? कोई करीबी दूसरा नहीं है. क्या आपको एहसास है कि हमारे पास न केवल प्रारंभिक पांडुलिपियाँ हैं जो 1611 में किंग जेम्स संस्करण के अनुवादकों के पास नहीं थीं। अब हमें पपीरस मिल गया है। हमें P52 नामक एक पपीरस मिला है, पपीरस 52। इस पर जॉन की पुस्तक का एक भाग है और अनुमान लगाइए कि यह पपीरस कब का है? सबसे पहले, प्रेरित यूहन्ना की मृत्यु कब हुई? क्या वह 90 के दशक में रहते थे? हमें जॉन की किताब का एक टुकड़ा जॉन के जीवित रहने के 30 वर्षों के भीतर से मिला है। मनुष्य के जीवित रहने के 30 वर्ष के भीतर। हमें पपीरी का एक टुकड़ा मिला है। यह बहुत अविश्वसनीय है. मुझे बताएं कि किस अन्य पुस्तक में दो या तीन हजार साल पहले के इस तरह के दस्तावेज़ हैं। नहीं, यह अनोखा है.

डैन वालेस नाम का एक लड़का है, जब मैं ग्रेस कॉलेज में था तो मैंने उसके साथ पढ़ाया था। वालेस एक ग्रीक गीक है। आप जानते हैं कि आपके पास प्रौद्योगिकी के जानकार हैं। वह ग्रीक का जानकार है. उसके पूरे घने काले बाल हैं, वह अब यह दाढ़ी बढ़ा रहा है। उसकी बड़ी पुरानी दाढ़ी है, घनी दाढ़ी है, और ऐसा लगता है कि वह वास्तव में ग्रीक है। और उसके पास ग्रीक काले वस्त्र भी हैं और अब उसके पास यह दाढ़ी भी है। तुम्हें पता है वह क्या कर रहा है? डैन वालेस ने पाया है कि इस्तांबुल में, जहां कॉन्स्टेंटिनोपल था, एक पांडुलिपि है। वह ऐसे जा रहा है जैसे वह ग्रीक है। क्या वह वहां जा रहा है ताकि उसे यह पांडुलिपि मिल सके? वह जानता है कि यह वहां है। क्या बाकी दुनिया इस पांडुलिपि के बारे में जानती है? नहीं, इस पांडुलिपि को किसी ने नहीं देखा है। वह वहां जाकर इसे उनके हाथ से छीनने की कोशिश कर रहा है। तो वह पूरी तरह ग्रीक बन रहा है और वह वहां जा रहा है, पूरी ग्रीक भाषा इस मठ में फिट होने के लिए। वह उस पांडुलिपि के पीछे जा रहा है। यह सच है। आपको इस आदमी को जानना होगा। मुझे आशा है कि वह उस पर कोई आंच नहीं लाएगा। मैं कसम खाता हूँ कि उसे इसकी या कुछ और तस्वीरें मिलेंगी लेकिन वह इसके पीछे जा रहा है। मेरा मतलब है कि उन्होंने इस बारे में लंबे समय तक सोचा है और उन्होंने इस पर काम किया है और मुझे लगता है कि वह वहां गए हैं और उनसे बात की है। वह

उनके साथ दोस्ती विकसित करने की कोशिश कर रहा है।

वैसे, उसे ऐसा क्यों करना पड़ता है? क्योंकि पांडुलिपि सिनाटिकस किस स्थान पर पाई गई थी? सिनाईटिकस सेंट कैथरीन मठ में माउंट सिनाई में पाया गया था। क्या आपको एहसास है कि उस व्यक्ति ने 1800 के दशक में क्या किया था? वह बाहर गया और भिक्षुओं से पांडुलिपियाँ चुरा लीं। क्या भिक्षु आज भी उसके प्रति क्रोधित हैं? तुम लोग हंसो, मैं गंभीर हूँ। मैं सेंट कैथरीन मठ में रहा हूँ। उन्हें यह बात हमेशा याद रहती है कि पांडुलिपि चोरी हो गई थी। अब, वैसे, क्या मुझे अपनी ओर से खुशी है कि उन्होंने इसे चुरा लिया? हाँ, वास्तव में क्योंकि यह इस मठ में बैठा था, क्या आपको एहसास है कि वे इनमें से कुछ पांडुलिपियों के साथ क्या कर रहे थे? भिक्षु गर्म रहने के लिए पांडुलिपियों के पत्रे जला रहे थे। क्या यही समस्या है? क्या आपको एहसास है कि ये पांडुलिपियाँ दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ पांडुलिपियों की तरह हैं? वे गर्म रहने के लिए पांडुलिपियों को जला रहे थे! मुझे खुशी है कि उस आदमी ने उन्हें चुरा लिया। ठीक है, मैं माफी चाहता हूँ।

V. परमेश्वर ने अपने वचन को अपूर्णता से क्यों सुरक्षित रखा?—एक सुझाव [57:01-59:23]

हमें ये सभी पांडुलिपियाँ मिल गई हैं, आप पांडुलिपियों में सभी अंतरों को कैसे ठीक करेंगे? अब, वैसे, क्या आप लोग ऐसा कर सकते हैं? आप ग्रीक और हिब्रू नहीं पढ़ते इसलिए आप ऐसा नहीं कर सकते। क्या कोई और व्यक्ति जो ब्रूस मेटज़गर जैसा विशेषज्ञ है, पांडुलिपियों का मूल्यांकन करता है। अब क्या होता है कि वे एक ग्रीक पाठ या हिब्रू पाठ को एक साथ संपादित करते हैं और फिर वह प्रकाशित होता है और फिर मेरे जैसे लोग उसे पढ़ते हैं। फुटनोट्स में वे आपको विभिन्न पाठन बताते हैं? हाँ, वे करते हैं, यह बहुत उपयोगी है। फुटनोट्स में आप सभी विभिन्न पांडुलिपि पाठ देख सकते हैं।

अब हम इन सभी चीजों को कैसे ठीक करें और भगवान ने इसे पूरी तरह से संरक्षित क्यों नहीं किया? इसका उत्तर यह है कि हम नहीं जानते कि ईश्वर जो करता है वह क्यों करता है। मैं यहाँ कुछ बनाने जा रहा हूँ। तो इसके लिए मैं यहाँ चलने जा रहा हूँ क्योंकि यह मैं ही बना रहा हूँ। कई अन्य लोगों ने यह सुझाव दिया है, बहुत से लोग इस बात को मानते

हैं। परमेश्वर ने अपने वचन को पूर्णतः सुरक्षित क्यों नहीं रखा? क्या वह इसे पूरी तरह सुरक्षित रख सकता था? क्या ऐसी कोई पांडुलिपि है जो उत्तम हो? हम नहीं जानते क्योंकि हमारे पास जो भी पांडुलिपियाँ हैं वे सौ साल बाद की हैं और हमें पांडुलिपि की तुलना पांडुलिपि से करनी है, हमें पता भी नहीं चलेगा कि यह हमारे पास है भी या नहीं।

क्या पांडुलिपियों में त्रुटियाँ हैं? हाँ वे करते हैं। क्या आपको एहसास है कि हाशिये पर कुछ लेखक कहते हैं, "यहाँ इतनी ठंड है कि मेरी स्याही मुझ पर जम रही है।" मेरा एक प्रश्न है: क्या आप उस समय अच्छा लिखते हैं जब आप इस तरह ठिठुर रहे होते हैं? नहीं, तो इन शास्त्रियों की परिस्थितियाँ सचमुच कठिन थीं। मैं शास्त्रियों को दोष नहीं देता। उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जो वे कर सकते थे। उनके पास वर्तनी जांच और वर्ड और उस तरह का समर्थन नहीं था। भगवान ने इसे सुरक्षित क्यों नहीं रखा? सुझाव यह है: यदि ईश्वर ने अपने संपूर्ण वचन को दस आज्ञाओं की तरह सुरक्षित रखा होता और उसे एक बक्से में छोड़ दिया होता, तो लोग उस बक्से का क्या करते? वे अंततः अवशेष की पूजा करेंगे। क्या मनुष्य उस तरह की चीज़ों से अवशेष बनाते हैं? वे दस आज्ञाएँ देने वाले ईश्वर की बजाय अवशेष की पूजा करेंगे। इसलिए मुझे लगता है कि उसने जानबूझकर अपना वचन खो दिया था। मैं चाहता हूँ कि तुम किसी पाठ के स्थान पर मेरी आराधना करो। तो इसलिए पाठ खो गया है और हमारे पास कोई अवशेष नहीं है, हमारे पास हजारों पांडुलिपियाँ हैं।

डब्ल्यू. लिखित त्रुटियों का मूल्यांकन [59:24-60:38]

चलिए लिपि संबंधी त्रुटियों के बारे में बात करते हैं। क्या हम जानते हैं कि लेखक किस प्रकार की गलतियाँ करते हैं? हाँ हम करते हैं। यहाँ एक है: उत्पत्ति अध्याय 10 श्लोक 4। अक्षर 7(d) और अक्षर 7(r) के बीच क्या अंतर है? सबसे पहले क्या आप देख सकते हैं कि कोई अंतर है? क्या फर्क पड़ता है? क्या किसी को उसके अंत में छोटी सी गांठ दिखाई देती है? वह एक झुनझुना है। क्या किसी को चुटकुला और झुनझुना याद है? वह एक झुनझुना है। यह एक डी (7) है। यह एक आर (7) है। क्या आपको लगता है कि शास्त्रियों ने कभी डी (7) और आर (7) को भ्रमित किया है? क्या आप देखते हैं कि वे कितने करीब हैं? मैं आपको एक उदाहरण देता हूँ। इस लड़के का नाम डोडानिन है, यदि आपने

उत्पत्ति 10 से उन सभी को याद कर लिया है। इस लड़के का नाम डोडानिन है। लेकिन यदि आप अपनी कुछ बाइबिलों में देखें, तो यह "डोडानिन" नहीं कहेगा, यह "रोडानिन" कहेगा। क्या आप देखते हैं कि आर और डी भ्रमित हो गए हैं? तो क्या उसका नाम डोडो था या उसका नाम रोडो था? समस्या यह है कि पत्र इतना समान दिखता है कि वे कभी-कभी ऐसे अक्षरों को भ्रमित कर देते हैं। तो डी और आर भ्रमित हो जाते हैं। अब हम जानते हैं कि यह एक समस्या है तो क्या हम इसे ठीक कर सकते हैं? हाँ हम कर सकते हैं। पांडुलिपियों की तुलना करने पर आप यही अपेक्षा करेंगे।

X. मौखिकता और पांडुलिपि प्रसारण [60:39-62:53]

यहाँ एक और है। आइए मैं आपसे यह बात अंग्रेजी में करता हूँ। कभी-कभी वे पांडुलिपियाँ बोलते थे। मौखिक पांडुलिपि करने का क्या फायदा है? मैं यहां पढ़ रहा होता, "आरंभ में वचन था" या "आरंभ में भगवान ने आकाश और पृथ्वी का निर्माण किया" इसे कॉपी करें। क्या फायदा? इस कक्षा में एक पांडुलिपि से मैं कितनी पांडुलिपियाँ तैयार कर सका? 100. क्या आप इसे मौखिक रूप से करने का लाभ देखते हैं? लेकिन इसके मौखिक होने में दिक्कत क्या है? यहाँ समस्या मौखिक रूप से है: मेरे लिए शब्द "वहाँ/उनके/वे हैं" लिखें। समस्या क्या है? आपको "वहाँ", "उनके", और "वे" सभी एक जैसे लग रहे हैं।

अब, मैं इसके उदाहरण के तौर पर केवल भजन 100 का उदाहरण लेता हूँ। भजन 100 के किंग जेम्स संस्करण में, यह कहा जाएगा, "प्रभु का जयजयकार करो!" गाते हुए उसकी उपस्थिति में आओ . तुम यह जान लो, कि प्रभु ही परमेश्वर है। यह वह है जिसने हमें बनाया है और (लो 'अनकनु) हमने खुद को नहीं बनाया है। क्या किसी को यह सुनना याद है? वह राजा जेम्स है। यदि आप अपने एनआईवी और अधिकांश आधुनिक अनुवादों को देखें, तो आप देखेंगे कि यह इस तरह है, "प्रभु के लिए खुशी से शोर मचाओ!" गाते हुए उसकी उपस्थिति में आओ. तुम यह जान लो, कि प्रभु ही परमेश्वर है। यह वह है जिसने हमें बनाया है और हम (लो अनकनु) उसके हैं। यह "हम स्वयं नहीं" - और "हम उसके हैं" से बहुत अलग है। क्या आप जानते हैं कि इनका उच्चारण कैसे किया जाता है? "और हम स्वयं नहीं": लो अनकनु। क्या आप जानते हैं कि "और हम उसके हैं" का उच्चारण कैसे किया

जाता है? *लो अनकनु*. *लो अनाकनु* और *लो अनाकनु* के बीच ध्वनि में क्या अंतर है ? बताओ कौन सा कौन सा है। आप नहीं कर सकते. इसका उच्चारण भी इसी तरह किया जाता है. यह *एक अनकनु* है. लेकिन इसे "हम स्वयं नहीं" के रूप में लिया जा सकता है, इस तरह से किंग जेम्स संस्करण इसका अनुवाद करता है, "और हम उसके हैं" अधिकांश आधुनिक अनुवादों का यही तरीका है क्योंकि अब हम कविता के बारे में अधिक समझते हैं।

वाई. मेटाथिसिस [62:54-63:28]

मेटाथिसिस—क्या आपने कभी इसे टाइप किया है: "वहाँ"? क्या आपकी उंगलियाँ "ie" करने की आदी हैं? एमएस वर्ड का क्या फायदा है? एमएस वर्ड उन्हें फ़्लिप करता है। क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है? यह उन्हें पलट देता है, इसलिए यह फायदेमंद है। इसलिए मैं माइक्रोसॉफ्ट वर्ड की अनुशंसा करता हूँ। जब आप अक्षरों का क्रम बदलते हैं तो इसे "मेटाथिसिस" कहा जाता है। जब आप अक्षर बदलते हैं, तो उसे मेटाथिसिस कहा जाता है। यदि आपने कभी इसे पांडुलिपि में पढ़ा है, तो आपको पता चल जाएगा कि वह क्या होना चाहिए। यह किसी को धोखा नहीं देता।

जेड. विखंडन और संलयन [63:29-64:02]

तो यहाँ एक है. प्रारंभिक यूनानी पांडुलिपियों में, वे सभी बड़े अक्षरों में लिखे गए थे और शब्दों के बीच कोई रिक्त स्थान नहीं था। क्या आपको शब्दों के बीच रिक्त स्थान रखना पसंद है? मुझे बताओ यह क्या कहता है? आप लोग अंग्रेजी पढ़ते हैं. (लोग क्राइस्टिसनॉव्हेयर पढ़ने की कोशिश कर रहे हैं)। हाँ, तुम लोग विधर्मियों का एक समूह हो। यह सुंदर है, यह धर्मविधि संबंधी है, "मसीह अब यहां हैं।" [छात्र पढ़ते हैं: ईसा मसीह कहीं नहीं हैं]। क्या आप देखते हैं कि जब शब्दों के बीच रिक्त स्थान नहीं होता तो क्या समस्या होती है?

ए.ए. होमोटेल्फूटन: वही अंत [64:03-65:08]

यहाँ एक और है। इसे "होमोटेल्फूटन" कहा जाता है। मुझे यह सिर्फ इसलिए पसंद है क्योंकि यह एक अच्छा शब्द है। "होमो" का मतलब क्या है? वही। "होमोटेल्फूटन" का अर्थ

है "समान अंत।" आप सभी लोग यह जानते हैं: वही अंतिम समस्या। क्या आपने कभी पूरे पृष्ठ को पढ़ा है और आपको यहां एक शब्द मिला है और यह यहां लगभग तीन पंक्तियों में दोहराया गया है और आपकी आंख पृष्ठ पर नीचे की ओर चली जाती है क्योंकि आप सामने आते हैं और फिर नीचे कूद जाते हैं। आइए मैं आपको अच्छे सामरी का दृष्टान्त सुनाते हुए यीशु के पास ले चलता हूँ। उस आदमी को पीटा गया. वहाँ एक पुजारी था और वह उसके पास आता है और "वह दूसरी तरफ से गुजरता है।" और फिर वहाँ एक लेवी है, वह इस गरीब आदमी के पास आता है जिसने मारपीट की है और "वह दूसरी तरफ से गुजरता है।" समस्या क्या है?—"दूसरी तरफ से गुजरो," और "दूसरी तरफ से गुजरो" दोहराया जाता है। कुछ पांडुलिपियों में, लेखक क्या करेगा? क्या उसकी नज़र पन्ने से नीचे कूद गयी? उसने एक व्यक्ति को छोड़ दिया क्योंकि उसकी नज़र पृष्ठ से नीचे चली गई थी। अब क्या आपने कभी ऐसा पढ़ा है और आप पेज से नीचे कूद पड़े? इसे "होमोटेल्फूटन" कहा जाता है, वही अंत, आप कुछ सामग्री को छोड़कर पृष्ठ से नीचे कूदते हैं।

एबी. डिटोग्राफी और हैप्लोग्राफी [65:09-65:45]

अब यहां त्रुटि करने का एक और तरीका है, "डिटोग्राफी।" "डिटोग्राफी" का अर्थ है, क्या आपने कभी कुछ टाइप किया है और आप इसे दो बार टाइप करते हैं जबकि इसे केवल एक बार लिखा जाना चाहिए था? तब आपको एहसास होता है कि आपने वही काम दो बार किया। तब मुझे सचमुच अपने आप पर गुस्सा आता है, "ओह, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मैंने इसे अभी टाइप किया है।" तो फिर आप इसे मिटा दें. वह है "डिटोग्राफी।" इसका मतलब है कि यह दो बार लिखा गया था लेकिन इसे एक बार लिखा जाना चाहिए था। **हैप्लोग्राफी** का मतलब है कि इसे दो बार लिखा जाना चाहिए था लेकिन उन्होंने इसे केवल एक बार लिखा। इसलिए डिटोग्राफी और हैप्लोग्राफी विपरीत हैं। डिटोग्राफी का मतलब है कि यह दो बार लिखा गया था लेकिन इसे एक बार लिखा जाना चाहिए था। हैप्लोग्राफी का मतलब है कि यह एक बार लिखा गया था और इसे दो बार लिखा जाना चाहिए था। आप जानते हैं कि आपने इस प्रकार की गलतियाँ की हैं।

एसी। भ्रष्टाचार में सामंजस्य स्थापित करना [65:46-67:18]

यहाँ एक और है: भ्रष्टाचारों में सामंजस्य स्थापित करना। यह अय्यूब अध्याय 3 की पुस्तक से आता है। अय्यूब अध्याय 3 में यह इस प्रकार है। अय्यूब को क्या हो रहा है? अय्यूब के शरीर से तारकोल निकल जाता है। तो अय्यूब के ऊपर से टार निकलवा रहा है और उसकी पत्नी अध्याय 3 में आती है, उसके बच्चे मर चुके हैं, सब कुछ नष्ट हो गया है। वह अपने पीड़ित पति के पास आती है। अब मैं आपको शाब्दिक रूप से हिब्रू में उद्धृत करने जा रहा हूँ, मुझे बताएं कि क्या गलत है। हिब्रू में इसका शाब्दिक अर्थ है: "अय्यूब की पत्नी आती है और कहती है, [अय्यूब को ये सभी फोड़े हो गए हैं] 'जॉब, भगवान को आशीर्वाद दो और मर जाओ।'" इसे सीधे हिब्रू, "बारुक" से उद्धृत किया गया है, इसका अर्थ है "आशीर्वाद" - "भगवान को आशीर्वाद दो और मर जाओ।" अब जब आप अय्यूब की पत्नी की ओर से यह बात पढ़ते हैं, तो क्या यह वास्तव में स्पष्ट है कि उसने वास्तव में क्या कहा था। क्या उसने कहा, "भगवान को आशीर्वाद दो और मर जाओ"? हाँ, वह बहुत धर्मपरायण महिला थी। नहीं, जब वह अय्यूब और इस सारी त्रासदी पर आती है और वह क्या कहती है? "भगवान को श्राप दो और मर जाओ।" समस्याओं में से एक क्या थी? क्या शास्त्री "परमेश्वर को श्राप" लिखना नहीं चाहते थे? शास्त्रियों को वह लिखना अच्छा नहीं लगा। इसके बजाय उन्होंने वहाँ "भगवान को आशीर्वाद दें" लिख दिया। अब, वैसे, उस पाठ को पढ़ने वाला कोई भी व्यक्ति, क्या आप जानते हैं कि इसे "भगवान को शाप दो और मर जाओ" होना चाहिए? मैं इसे फिर से कहना चाहता हूँ: जो कोई भी उस पाठ को पढ़ रहा है, क्या आप जानते हैं कि उसे "भगवान को शाप दो और मर जाओ" होना चाहिए? इसे पढ़ने वाला कोई भी व्यक्ति यह जानता है। तो क्या होता है पाठक उसे पलट देते हैं। शास्त्रियों को यह लिखना पसंद नहीं था, इसलिए उन्होंने इसके स्थान पर "भगवान को आशीर्वाद दो और मर जाओ" लिख दिया। तो इसे "भ्रष्टाचारों में सामंजस्य स्थापित करना" कहा जाता है। उन्हें "ईश्वर को श्राप दो और मर जाओ" लिखना पसंद नहीं था, इसलिए उन्होंने इसे किसी ऐसी चीज़ में ढाल दिया, जिसमें वे अधिक सहज थे।

ई.पू. संगम [67:19-68:15]

अब यहाँ घालमेल है. संगम एक दिलचस्प बात है. कुछ पांडुलिपियाँ, मेरा विश्वास है कि यह प्रकाशितवाक्य या अधिनियमों की पुस्तक से आती हैं। यह कहता है, तो आपके पास पचास पांडुलिपियाँ हैं जो कहती हैं "चर्च ऑफ़ गॉड", "चर्च ऑफ़ गॉड", "चर्च ऑफ़ गॉड", और "चर्च ऑफ़ गॉड"। फिर आपके पास पचास अन्य पांडुलिपियाँ हैं जो कहती हैं, "चर्च ऑफ़ द लॉर्ड", और "चर्च ऑफ़ द लॉर्ड"। अब आप बाद के लेखक हैं, आपके पास पचास पांडुलिपियाँ हैं जिन पर लिखा है "चर्च ऑफ़ गॉड", और आपके पास पचास पांडुलिपियाँ हैं जिन पर लिखा है "चर्च ऑफ़ द लॉर्ड", आप किसकी नकल करने जा रहे हैं? हाँ, तो आपने क्या किया? वैसे, मुझे पूछने दो, तुम क्या करोगे? यदि आपके पास एक पांडुलिपि है जिस पर लिखा है "चर्च ऑफ़ द लॉर्ड", और एक पर लिखा है "चर्च ऑफ़ गॉड", तो आप क्या करेंगे? वे इसे जोड़ते हैं और कहते हैं, "चर्च ऑफ़ द लॉर्ड गॉड"। इसलिए बाद की पांडुलिपियों में यह "प्रभु परमेश्वर का चर्च " है। अब सम्मिश्रण की बात यह है कि, इस सम्मिश्रण प्रवृत्ति के कारण, पाठ में बढ़ने की प्रवृत्ति होती है। अतः सम्मिश्रण के साथ इस सम्मिश्रण समस्या के कारण पाठ के बढ़ने की प्रवृत्ति होती है।

ई. पांडुलिपि साक्ष्य को तौलने के सिद्धांत

बड़े और छोटे को प्राथमिकता दी जाती है [68:16-68:56]

अब, यह तय करने के लिए यहां कुछ सिद्धांत दिए गए हैं कि कौन सी पांडुलिपि के पाठों को बाइबल में स्वीकार किया जाना चाहिए। पुरानी पांडुलिपियाँ: यदि आपके पास 16 वीं शताब्दी की पांडुलिपि है और आपके पास तीसरी शताब्दी की पांडुलिपि है, तो आप किस पर अधिक महत्व देते हैं? तीसरी सदी. क्यों? क्योंकि यह पहले की बात है. पांडुलिपि जितनी पुरानी होगी, उसकी स्थिति उतनी ही अधिक होगी - पांडुलिपि जितनी पुरानी होगी, उतना बेहतर होगा।

कम पढ़ने को प्राथमिकता दी जाती है। वे कम समय में पढ़ना क्यों पसंद करते हैं? आपके पास पांडुलिपियों के दो सेट जा रहे हैं, वे छोटी पांडुलिपि को क्यों पसंद करते हैं? क्या पाठ में समय के साथ बढ़ने की प्रवृत्ति थी? तो छोटा वाला संभवतः पुराना और बेहतर

होगा। इसलिए छोटे पढ़ने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। "प्रभु का चर्च" या "भगवान का चर्च" लेकिन "प्रभु भगवान का चर्च" नहीं।

ए एफ। भौगोलिक रूप से फैला हुआ [68:57-69:51]

अब, मुझे बस यह करने दो। मान लीजिए कि हमारे पास मैसाचुसेट्स के वेन्हम से एक सौ पांडुलिपियाँ हैं। दूसरी ओर, हमें पाँच पांडुलिपियों का एक सेट मिला है जो वेन्हम पांडुलिपि से असहमत हैं। उन पांडुलिपियों में से एक वाशिंगटन, डीसी से है, एक फिलाडेल्फिया से है, हम यहां बोस्टन में न्यूयॉर्क शहर नहीं करते हैं, बोस्टन दूसरा है, और एलए दूसरा है, और मियामी दूसरा है। केवल पाँच मिले हैं, लेकिन हमें वाशिंगटन, फिलाडेल्फिया, बोस्टन, एलए और मियामी से एक ही पढ़ने को मिला है और आपको वेन्हम से एक सौ पांडुलिपियों से एक अलग पढ़ने को मिला है। आप कौन सा पाठ स्वीकार करेंगे? पाँच या एक सौ. पाँच, क्यों? क्योंकि वे हर जगह फैले हुए हैं. क्या वेन्हम में सभी एक-दूसरे से कॉपी किए गए होंगे? क्या उन सभी की गलतियाँ एक जैसी होंगी? लेकिन भौगोलिक विस्तार जितना अधिक होगा, पढ़ना उतना ही अधिक मूल्यवान होगा।

एजी. पांडुलिपि परिवार [69:52-70:31]

अब आइए पांडुलिपियों की संख्या और प्रकार पर चर्चा करें। पांडुलिपि परिवार क्या है? एक पांडुलिपि परिवार तब होता है जब आपके माता-पिता होते हैं, माता-पिता की नकल की जाती है, जिसे "बच्चा" कहा जाता है। तो आपके माता-पिता, बच्चे, बच्चे की नकल हो जाती है और क्या आप देखते हैं कि वे सभी एक ही माता-पिता के पास वापस चले जाते हैं? तो एक की नकल हो जाती है मान लीजिए पाँच बार। वे सभी एक ही माता-पिता के पास वापस जाते हैं। क्या कुछ परिवार पांडुलिपियों का बेहतर समूह हैं और अन्य परिवार पांडुलिपियों का बदतर समूह हैं? तो होता यह है कि आप पांडुलिपियों के इन परिवारों का मूल्यांकन कर सकते हैं। आपके पास पश्चिमी परिवार, अलेक्जेंड्रियन परिवार है, और फिर आप पांडुलिपियों का वजन कर सकते हैं और पांडुलिपियों के सर्वश्रेष्ठ परिवार को चुनने का प्रयास कर सकते हैं।

एएच. नये नियम और पुराने नियम के शास्त्री [70:32-72:07]

मैं यहां एक और बात पर चर्चा करना चाहता हूँ, जहां तक न्यू टेस्टामेंट का संबंध है। मैं आपके लिए नये नियम और पुराने नियम में अंतर बताना चाहता हूँ। क्या नये नियम के वे शास्त्री जिन्होंने नये नियम की नकल की थी, क्या वे अच्छे शास्त्री थे? प्रारंभिक ईसाई, क्या वे शिक्षित थे या अशिक्षित? आरंभिक ईसाई अशिक्षित थे। क्या आरंभिक ईसाई अमीर या गरीब थे? गरीब, अधिकतर. क्या आरंभिक ईसाई अपने घर, वातानुकूलित घर में बैठे थे, या उत्पीड़न से भाग रहे थे? उत्पीड़न से भागना. जब आप उत्पीड़न से भाग रहे हैं, गरीब और अशिक्षित हैं, तो क्या आप एक अच्छे लेखक बन सकते हैं? नहीं, क्या प्रारंभिक ईसाई पांडुलिपियाँ कठिन हैं क्योंकि वे पेशेवर लेखक नहीं थे? क्या आरंभिक ईसाइयों ने पेशेवर मुंशी का प्रशिक्षण लिया था? ज़्यादा नहीं, बाद में उन्होंने ऐसा किया।

अब मुझे यहूदी लोगों के बारे में बताओ। क्या यहूदी लोग अच्छे शास्त्री थे या बुरे शास्त्री? अच्छा। पेशेवर--अपना पूरा जीवन पवित्रशास्त्र की नकल करने में लगा देते हैं? हमारी सर्वश्रेष्ठ हिब्रू पांडुलिपियाँ लगभग 1000 ईस्वी - 800 ईस्वी की हैं, उन्हें मैसोरेटिक टेक्स्ट (एमटी) कहा जाता है। वे इन मासोरेटिक ग्रंथों की नकल करते थे, कभी-कभी वे कहते थे, इस पृष्ठ में 25 "ए" होने चाहिए। और वे पृष्ठ 25 "ए" पर गिनती करेंगे। यदि "ए" में से एक गायब था, तो वे आपकी पांडुलिपि को नष्ट कर देंगे? प्रश्न: क्या वे लोग बहुत सावधान थे? यहूदी पांडुलिपियाँ बहुत सटीक थीं। हालाँकि, समस्या क्या है? हमारी सर्वोत्तम यहूदी मैसोरेटिक पांडुलिपियाँ 800-1000 ई.पू. की हैं। समस्या क्या है? क्या 1000 ई.पू. देर हो चुकी है जब मूसा 1400 ई.पू. थे? हाँ।

ऐ. मृत सागर स्क्रॉल [72:08-73:38]

फिर, अचानक, 1948 में, एक अरब बच्चा मृत सागर के किनारे टहलने निकला, उसने एक गुफा में एक पत्थर फेंक दिया। उसने खड़खड़ाहट की जगह एक खड़खड़ाहट सुनी और कहा, वहां कुछ है। वह अंदर गया और उसे एक बड़ा पुराना कनस्तर मिला। वह कनस्तर खोलता है और अंदर यह सारा कागज होता है। वह कहता है, “वाह, यह क्या है? आप इससे पूरी रात आग जला सकते हैं।” वह इसे बाहर खींचता है, मुझे लगता है कि उन्होंने पहला वाला 50 रुपये में बेचा था। अब इसका मूल्य कितना है? लाखों. दरअसल,

क्या आप जानते हैं कि उन्होंने मृत सागर स्क्रॉल के साथ क्या किया? कुछ लोग, जब वे इसे बेथलहम तक ले गए, तो वे अधिक पैसा कमाना चाहते थे, तो क्या आप जानते हैं कि उन्होंने क्या किया? उन्होंने इसे फाड़ दिया ताकि वे एक के बदले 10 टुकड़े बेच सकें। आप कहते हैं कि उन्होंने ऐसा नहीं किया। हाँ उन्होंने किया। लेकिन फिर भी, हमें ये मृत सागर स्क्रॉल 1948 में मिले। क्या फायदा है? आप मेरे एक अच्छे मित्र मार्टी एबेग, जिन्होंने डेड सी स्क्रॉल्स पर काम किया था और इसे खोल कर रख दिया था, के नाम को सम्मान के साथ इतना क्यों कहते हैं? मुझे लगता है कि यह गुफा 13 या गुफा 11 थी, उसने वास्तव में इसे मैक कंप्यूटर से खोल दिया। मार्टी के प्रति मेरे मन में इतना सम्मान क्यों है? मृत सागर स्क्रॉल हमारी सर्वोत्तम हिब्रू पांडुलिपियाँ हैं। 1948 में मृत सागर स्क्रॉल हमें ईसा के समय से 1000 वर्ष पहले ले गए। यह 1000 वर्ष की छलांग है। क्या अब हम जाँच सकते हैं कि वे दिवंगत मैसोरेटिक ग्रंथों की पांडुलिपियाँ कितनी अच्छी हैं? हाँ, अब हमें 1000 वर्ष की छलांग मिल गई है। अंदाज़ा लगाओ कि उन्हें क्या मिला? क्या हिब्रू पाठ सटीक हैं? हिब्रू ग्रंथ सटीक हैं। मृत सागर स्क्रॉल आम तौर पर इसकी पुष्टि करते हैं।

ए जे. गैबी बरकई और संख्या 6 [73:39- 76:19]

अब, वैसे, मैं आपको गैबी बरकई नाम के एक व्यक्ति के बारे में एक कहानी बताता हूँ, मैंने 1970 के दशक में गृहयुद्ध के बाद उसके अधीन अध्ययन किया था। गैबी बरकई ने अपने पूरे जीवन में यरूशलेम में कब्रों का अध्ययन किया है और मैं उनके पूरे जीवन के बारे में बात कर रहा हूँ, लगभग 40 या 50 साल। गैबी यरूशलेम में एक कब्र में जा सकता है और जैसा कि वह यरूशलेम में हर कब्र को जानता है। वह सचमुच एक प्रतिभाशाली लड़का है। वह दीवार के पास जाता है, दीवार पर अपना हाथ रखता है और कहता है, छेनी का वह निशान 300 ईसा पूर्व में बनाया गया था। यह लड़का अच्छा है। वह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने अपना पूरा जीवन यही करते हुए बिताया है।

अब कब्रों से क्या दिक्कत है? आमतौर पर वे लोगों को उनकी सारी संपत्ति सहित दफना देते हैं। आमतौर पर कब्र का क्या होता है? गंभीर लुटेरे वहां पहुंचते हैं और सारा सामान लूट लेते हैं, जिससे आपके पास जौ के कुछ टुकड़े और टुकड़े बच जाते हैं। क्या

आप इस पर कुछ कार्बन-14 डेटिंग कर सकते हैं? लेकिन अक्सर आपके पास मात्र स्कैप के अलावा कुछ नहीं बचता है। लो और देखो, यह 1980 के दशक की बात है, वे एक नया होटल बनाने के लिए खुदाई कर रहे थे और उन्होंने भाप निकालने वाला फावड़ा निकाला, वे खुदाई कर रहे थे और अचानक वे किसी चीज़ से टकरा गए। उन्होंने कहा, "पवित्र गाय, यह एक कब्र है।" यरूशलेम में आपकी एक कब्र है, आप किसे बुलाने जा रहे हैं? गैबी बरके. "गैबी, यहाँ आओ, हम एक कब्र पर पहुँचे हैं।" हुआ यह कि, एक भूकंप आया और भूकंप से कब्र की छत कब्र पर गिर गयी। प्रश्न: क्या यह अच्छा है? हाँ, सारा सामान अभी भी यथास्थान है। उन्होंने इस कब्र को खोला और यह कब्र 700 ईसा पूर्व की है। यह यहूदा के राजा हिजकिय्याह के समय की बात है। कब्र की छत ढह गई थी, वहाँ एक महिला थी, आप हड्डियों से बता सकते हैं। उसके गले में चाँदी का बना हुआ एक छोटा-सा ताबीज है। 700 ईसा पूर्व के इस चाँदी के ताबीज को रोल करने में उन्हें 3 साल लग गए। इसमें कुछ इस तरह कहा गया है, और यह कक्षा को समाप्त करने का एक अच्छा तरीका है, "भगवान आपको आशीर्वाद दें और आपको बनाए रखें। यहोवा तुम पर अनुग्रह करे, और तुम पर अपना मुख चमकाए, और तुम्हें शालोम दे।" क्या आपने कभी ऐसा सुना है? क्या आपके पादरी ने कभी कहा, "प्रभु तुम्हें आशीर्वाद दें और तुम्हारी रक्षा करें और तुम पर अपना चेहरा चमकाएं"? यह संख्या 6:24ff से पुरोहिती आशीर्वाद है। गैबी बरकेई को धर्मग्रंथ का अब तक का सबसे पहला टुकड़ा मिला - 600-700 ईसा पूर्व। क्या यह वही बात कहता है जो आपकी बाइबल कहती है? एक ही बात। तो हम पवित्रशास्त्र पर भरोसा रख सकते हैं। आपसे अगले हफ्ते मिलते हैं।

यह पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पर टेड हिल्डेब्रांट का व्याख्यान संख्या 3 है। यह व्याख्यान ईश्वर से हम तक बाइबिल के प्रसारण पर था।

लॉरेन अर्ज़बेकर द्वारा प्रतिलेखित
टेड हिल्डेब्रांट 2 द्वारा रफ संपादित